



## महिसौड़ी में ई-रिक्शा में लगी आग, दो छात्राएं झुलसीं

**गंभीर रूप से घायल नेहा कुमारी को पटना किया गया रेफर**

नवबिहार टाइम्स संवाददाता जमुई। शहर के महिसौड़ी मोहल्ले में शुक्रवार को पेट्रोल पंप के समीप अचानक एक ई-रिक्शा में आग लगने से उस पर सवार दो छात्राएं झुलसकर घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल छात्रा को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। वहीं, दूसरी घायल छात्रा का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। ई-रिक्शा पर सवार अन्य चार छात्र-छात्राएं सुरक्षित बताए जा रहे हैं।घायल छात्राओं की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के भगवाना गांव निवासी नेहा कुमारी (20) और रुचि कुमारी (20) के रूप में हुई है। नेहा इंटर की छात्रा है और हादसे में गंभीर रूप

से घायल हुई है। वहीं, रुचि कुमारी भगवाना निवासी आदित्य महतो की पुत्री है। पढ़ाई कर घर लौट रहे थे छात्र-छात्राएं। जानकारी के अनुसार, भगवाना गांव के चार छात्र और दो छात्राएं पढ़ाई करने के बाद ई-रिक्शा से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान महिसौड़ी स्थित पेट्रोल पंप के समीप ई-रिक्शा में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से दोनों छात्राएं झुलस गईं, जबकि ई-रिक्शा पर सवार अन्य चार छात्र-छात्राएं सुरक्षित बच गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं। घटना के बाद ई-रिक्शा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। ई-रिक्शा में आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। हादसे के बाद घायल छात्राओं के परिजनों में चिंता का माहौल है।

## परीक्षा केंद्र बदलाव को लेकर अभाविप ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

**विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले के विरोध में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लिया**

नवबिहार टाइम्स संवाददाता चकाई/जमुई। स्थानीय पीपीवाई कॉलेज में परीक्षा केंद्र में बदलाव कर छात्र-छात्राओं की सुविधा अनुसार सुरक्षित एवं नजदीकी केंद्र निर्धारित करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चकाई नगर इकाई द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। परीक्षा केंद्र जमुई भेजे जाने के विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले के विरोध में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-बढ़कर इस अभियान में हिस्सा लिया और अपना समर्थन दिया।छात्र नेता दीपक चौधरी ने कहा कि परीक्षा केंद्र अत्यधिक दूरी पर जमुई बना दिए जाने से विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को आवागमन और सुरक्षा को लेकर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। चकाई सुदूरवर्ती क्षेत्र है, ऐसे में इतनी दूर जाकर परीक्षा देना आर्थिक और मानसिक दोनों रूप से छात्रों के लिए कष्टकारी है। विश्वविद्यालय प्रशासन को विद्यार्थियों की जमीनी समस्याओं को ध्यान में रखते



हुए केंद्र को तत्काल किसी नजदीकी व सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि छात्रों की इस मांग को लेकर कुलपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि समय रहते निर्णय वापस नहीं लिया गया, तो विद्यार्थी परिषद चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगी।इस

दौरान कार्यकर्ताओं ने कॉलेज के विभिन्न संकायों में जाकर छात्रों से हस्ताक्षर करवाए। मौके पर नगर मंत्री कुंदन कुमार, मोनु कुमार, बबन कुमार, पवन कुमार, अनिल कुमार, संदीप कुमार, शुभम कुमार, रंजन कुमार और अंकित कुमार सहित कई छात्र उपस्थित रहे।

## प्रेस क्लब रामगढ़ में रूपी सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि, पत्रकारों ने जताया शोक

रामगढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन के निधन पर शुक्रवार को प्रेस क्लब रामगढ़ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान क्लब के पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने दिवंगत रूपी सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित सभी लोगों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए। शोककुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। सभा में वक्ताओं ने कहा कि माता-पिता का निधन किसी भी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति होती है। इस कठिन समय में प्रेस क्लब रामगढ़ के सभी सदस्य शोककुल परिवार के साथ खड़े हैं और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हैं। प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष धनेश्वर प्रसाद ने कहा कि आज हम सभी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पूज्य माता रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस दुख की

घड़ी में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की कामना की गई। पत्रकारिता केवल खबरों तक सीमित नहीं, समाज के दुख-सुख में सहभागी बनना भी जिम्मेदारी धर्मैद पटेल।प्रेस क्लब रामगढ़ के सचिव धर्मैद पटेल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल खबरों को सामने लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के दुख-सुख में सहभागी बनना और मानवीय संवेदनाओं के साथ खड़ा होना भी पत्रकारों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए यह अत्यंत कठिन समय है। कुछ समय पहले ही उन्होंने अपने पिता और झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेता दिशाम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को खोया था। अब उनकी माता के निधन से परिवार को एक और अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब रामगढ़ इस दुख की घड़ी में सोरेन परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दिवंगत आत्मा की शांति तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके पूरे परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

## मां की स्मृति में हेमंत ने निभाई पारिवारिक परंपरा



नवबिहार टाइम्स संवाददाता रामगढ़। झारखंड प्रदेश के मुख्यमंत्री सह सुपुत्र हेमंत सोरेन ने अपनी दिवंगत माता रूपी सोरेन की स्मृति में पारिवारिक और पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया गया। रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती नेमरा गांव में स्थित अपने पैतृक आवास पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने परिजनों के साथ भोजन परोपेने का पारंपरिक रस्म निभाई है। **स्थानीय परंपराओं और रीति-रिवाजों का किया निर्वहन** इस दौरान उन्होंने स्थानीय परंपराओं और रीति-रिवाजों के

अनुसार अपनी दिवंगत माता से जुड़े पारंपरिक संस्कारों को पूरा किया गया। परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में निभाई गई। इस रस्म के जरिए मुख्यमंत्री सह सुपुत्र हेमंत सोरेन ने अपनी माता की स्मृति को नमन किया गया। मालूम हो कि नेमरा गांव में स्थित सोरेन का पैतृक गांव है। जहां परिवार की परंपराओं और रीति-रिवाजों का विशेष महत्व है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी परिवार के साथ दिन परंपराओं का निर्वहन करते हुए। अपनी दिवंगत माता के प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई।

# मां नेतुला धाम में आज होगा शारदीय नवरात्र मेला का उद्घाटन

**डीएम, एसपी और डीडीसी समेत कई अधिकारी होंगे शामिल**

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिकंदरा/जमुई। प्रखंड क्षेत्र के कुमार स्थित मां नेतुला मंदिर परिसर में शनिवार को शारदीय नवरात्र मेला-2026 का भव्य शुभारंभ होगा। इस अवसर पर शाम चार बजे उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा।

मां नेतुला मंदिर न्यास समिति की ओर से आयोजित समारोह में जिले के कई वरीय अधिकारी शामिल होंगे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी नवीन, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल और उप विकास आयुक्त सिपरा विजय कुमार चौधरी उपस्थित रहेंगे। वहीं, मंदिर समिति के पदेन अध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी सौरभ कुमार समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

मां नेतुला महारानी की पावन धरती पर आयोजित शारदीय नवरात्र मेले को लेकर श्रद्धालुओं में



उत्साह है। मंदिर न्यास समिति ने मेले के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं और आम लोगों को आमंत्रित किया है। समिति की ओर से जारी

**मंदिर न्यास समिति की ओर से आयोजित समारोह में जिले के कई वरीय अधिकारी शामिल होंगे**

आमंत्रण में मां नेतुला के आशीर्वाद और नवरात्र के पावन अवसर पर सभी से शामिल होकर भक्ति एवं आस्था के इस महापर्व का हिस्सा बनने की अपील की गई है। मेले के आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बनने की उम्मीद है।

## मुफस्सिल थाना कांड में प्राथमिकी अभियुक्त के खिलाफ इशतेहार की तामील

हजारीबाग ब्यूरो/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।

मुफस्सिल थाना कांड संख्या 41/26, दिनांक 21 फरवरी 2026 के मामले में पुलिस ने प्राथमिक अभियुक्त राहुल दुबे उर्फ जयशंकर दुबे उर्फ छोदू के खिलाफ न्यायालय से निर्गत इशतेहार की विधिवत तामिला की है। अभियुक्त राहुल दुबे, पिता परमहंस दुबे, सकिन ट्रॉस्टपोस्ट नगर, कुजु, थाना कुजु ओपी, जिला रामगढ़ का निवासी है। पुलिस के अनुसार उक्त कांड में अभियुक्त के विरुद्ध धारा 61(2)/111(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा 25(1-बी)/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत



मामला दर्ज है। अनुसंधान के क्रम में न्यायालय से निर्गत इशतेहार की अभियुक्त के निवास स्थान पर नियमानुसार चप्सा कर विधिवत तामिला की कार्रवाई की गई। मुफस्सिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में अभियुक्त के खिलाफ न्यायालय के निदेशानुसार कार्रवाई की गई है।

## बीएफसीएल में वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ

**शिविर में वृंदावन पोलीडोक हास्पीटल रांची रोड की चिकित्सा टीम ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच की**

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविर शुक्रवार से शुभारंभ किया गया।

एच के एस पी यूनिट में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। अपने स्वास्थ्य की जांच-पड़ताल कराई गई। शिविर में वृंदावन पोलीडोक हास्पीटल रांची रोड की चिकित्सा टीम ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, ईसीजी, फेफड़ों, आंखों एवं सुनने की क्षमता की जांच, छाती का एक्स-रे



तथा अन्य आ व र टा क स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। इसके चिकित्सकों द्वारा

**● बड़ी संख्या में हुई स्वास्थ्य जांच**

परामर्श भी प्रदान किया गया। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के जागरूकता बढ़ाना

पहल स्वस्थ कर्मचारी सशक्त किया गया। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों की जांच होने तक जारी रहेगा।

## पुलिसकर्मी की जान बचाने वाले पत्रकार अनिल सम्मानित

रामगढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पत्रकारिता केवल खबरों को सामने लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जबरन के समय मानवता और संवेदनशीलता का परिचाय देना भी इस्की महत्वपूर्ण पहचान है। इसी भावना को प्रोत्साहित करते हुए प्रेस क्लब रामगढ़ की ओर से पत्रकार अनिल विश्वकर्मा को उनके सराहनीय मानवीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन के अंतिम संस्कार कार्यक्रम के दौरान रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में बड़ी संख्या में लोग और पुलिसकर्मी पहुंचे थे। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी अचानक बेहोश हो गया और उसकी नाक से खून निकलने लगा।मौके की गंभीरता को समझते हुए पत्रकार अनिल विश्वकर्मा ने तत्काल

पहल की और अचेत पुलिसकर्मी को सीपीआर देकर उसकी मदद की। उनकी तत्परता से पुलिसकर्मी को समय पर सहायता मिल सकी। अनिल विश्वकर्मा की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए प्रेस क्लब रामगढ़ ने उन्हें सम्मानित किया।उनके इस कार्य ने यह संदेश दिया कि संकट की घड़ी में समय पर की गई मदद किसी व्यक्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। पत्रकारिता के साथ मानवीय जिम्मेदारी निभाने का उनका यह प्रयास सराहनीय है।

**सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले पत्रकार कृष्ण कुमार श्री सम्मानित**

प्रेस क्लब रामगढ़ की ओर से पत्रकार कृष्ण कुमार को भी सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने के लिए सम्मानित किया गया।

## दारू में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

**गोवा में बिक्री के लिए प्रतिबंधित शराब पुराने घर में छिपाकर रखने का आरोप, आरोपी फरार**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। दारू थाना क्षेत्र में अवैध शराब की खरीद-बिक्री को खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 720 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की है। बरामद शराब की बोतलों पर FOR SALE IN GOA अंकित है। पुलिस ने मौके से करीब 200 खाली शराब की बोतलें भी बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक को 8 अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम जौन्धिया निवासी राहुल कुमार गुप्ता, पिता स्व. समान्तो साव के पुराने घर में अवैध शराब छिपाकर रखी गई है और वहां से शराब की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद

पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में 9 अक्टूबर की सुबह करीब 7.30 बजे पुलिस टीम ने ग्राम जौन्धिया स्थित राहुल कुमार गुप्ता के पुराने घर में छापेमारी की। तलाशी के दौरान आइ क ॉनिक बेवरेजेज की एल-चापो एक्सट्रा प्रीमियम व्हिस्की की 750 एमएल वाली कुल 720 बोतलें बरामद की गईं। शराब को 60 पेटियों में रखा गया था, जिसमें प्रत्येक पेटी में 12 बोतलें थीं। बरामद बोतलों पर FOR SALE IN GOA अंकित पाया गया। इसके अलावा छापेमारी के दौरान

**● पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 720 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की**

सिग्नेचर कंपनी की करीब 200 खाली शराब की बोतलें भी बरामद की गईं। पुलिस ने बरामद शराब और अन्य सामान को जल्द कर लिया है। छापेमारी के दौरान आरोपी राहुल कुमार गुप्ता घर पर मौजूद नहीं था। पुलिस के अनुसार, वह फरार है। मामले में दारू थाना कांड संख्या 9/26, दिनांक 09 अक्टूबर 2026 के तहत धारा 274/275 बीएनएस एवं 47(ए) उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

**पूर्व में भी दर्ज है मामला** पुलिस के अनुसार, आरोपी राहुल

कुमार गुप्ता के खिलाफ पूर्व में भी अवैध शराब से संबंधित मामला दर्ज है। दारू थाना कांड संख्या 42/25, दिनांक 12 अप्रैल 2025 में धारा 274/275/292/3(5) बीएनएस एवं 47(ए)/52/55 उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। **छापेमारी दल में शामिल रहे पुलिसकर्मी** कार्रवाई में दारू थाना प्रभारी पुअनि मलुंजय कुमार सिंह, सअनि पिन्टु कुमार, हवलदार रामेश्वर गोप, आरक्षी संख्या 37 धनंजय कुमार सिंह एवं आरक्षी संख्या 300/1645 धनेश्वर साव शामिल थे। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई कर रही है।

बिमल कुमार सिन्हा को मिला सम्मान



हजारीबाग ब्यूरो/नवबिहार टाइम्स सं.। रोजगार सृजन, मानव संसाधन प्रबंधन और समाजसेवा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय बिमल कुमार सिन्हा को हजहजारीबाग रत अवार्डह् से सम्मानित किया गया। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को हेलियं हंडिया ट्रस्ट की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। विदेश में रहने के कारण उनकी बेटी



## एम्बुलेंस में ऑक्सीजन खत्म होने से गयी मासूम की जान

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

गोड्डा। झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खेलने वाला एक मामला सामने आया है। गोड्डा के पोड़ैयाहाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सदर अस्पताल ले जाने के दौरान एंबुलेंस में ऑक्सीजन समाप्त होने से एक नवजात की मौत हो गई। बासमुंडी गांव के निवासी इस्माइल अंसारी अपनी पत्नी मजीनॉं खातून को प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए थे, जहां बच्चे के जन्म के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे सदर अस्पताल गोड्डा के लिए रेफर कर दिया। परिजन शुक्रवार की सुबह लगभग 4:00 से 4:30 बजे के बीच नवजात और उसकी मां को लेकर एंबुलेंस से रवाना हुए थे।

परिजनों ने आरोप लगाया कि पोड़ैयाहाट से निकलने से पहले एंबुलेंस चालक ने उनसे डीजल के नाम पर जबरन 500 रुपये ले लिए। स्वास्थ्य केंद्र से लगभग 1 से 1.5

किलोमीटर आगे पहुंचते ही एंबुलेंस का ऑक्सीजन सिलिंडर खत्म हो गया।

चालक ने रास्ते में ही गाड़ी रोक दी और दूसरा सिलिंडर मंगवाने में 20 से 30 मिनट का समय नष्ट हो गया। सदर अस्पताल पहुंचा दिया जाता, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद एंबुलेंस चालक वाहन को सदर अस्पताल परिसर में खड़ा कर मौके से फरार हो गया। नवजात की मृत्यु से उसकी मां मजीनॉं खातून गहरे सदमे में चली गई और काफी देर तक वाहन से बाहर निकलने से इन्कार करती रहीं। आपातकालीन सेवा में प्रयुक्त इस एंबुलेंस पर कोई नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। यह एंबुलेंस राजमहल परियोजना के सीएसआर मद से स्वास्थ्य विभाग गोड्डा को उपलब्ध कराई गई थी।

## पीएचसी प्रभारी को रिश्वत लेते निगरानी ने दबोचा

**प्रधान सहायक और डॉटा आपरेटर को भी पटना ले गयी निगरानी टीम**

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**पटेड़ी बेलसर।** प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटेड़ी बेलसर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने इंसेंटिव भुगतान के लिए रिश्वत लेते रहे रा्यों गिरफ्तार किया है। टीम प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के साथ पीएचसी के प्रधान सहायक धीरेंद्र कुमार एवं डॉटा ऑपरेटर हिमांशु कुमार को भी अपने साथ ले गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटना से आई निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम सुबह ही अस्पताल के बाहर सांढे लिबास में चक्कर लगा रही थी।

बताया गया है कि अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र मिश्रौलिया अफजलपुर में सीएचओ पद पर कार्यरत जयपाल सिंह ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका तीन महीने से अधिक समय का इंसेंटिव राशि



बकाया है। भुगतान के बदले प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कामिनी प्रसाद द्वारा 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही है। निगरानी विभाग ने अपने स्तर से मामले का सत्यापन कराया तो मामला सत्य पाया गया। शुक्रवार को सीएचओ जयपाल सिंह जैसे ही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के कार्यालय में निगरानी द्वारा पहले से दी गई राशि लेकर गए, वैसे ही कार्यालय के बाहर पहले से सांढे लिबास में मौजूद टीम ने उन्हें रहे हाथों गिरफ्तार

## करंट से तीन छात्राएं झुलसी

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**मुजफ्फरपुर।** जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र स्थित सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय, शाहबाजपुर में शुक्रवार को बड़ा हासया हो गया। स्कूल की छत के बेहद करीब से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के बिजली के तार की चपेट में आने से तीन छात्राएं झुलस गईं। हादसे के बाद स्कूल परिसर में अफरातफरी मच गई। तीनों घायल छात्राओं को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक छात्रा की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हादसे के बाद स्कूल में दहशत फैल गई। डर के कारण कई विद्यार्थी स्कूल परिसर से बाहर निकल गए। वहीं, स्कूल के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के बिजली के तार और बच्चों की सुरक्षा को लेकर खयाल उठने लगे हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि करंट लगने से एक छात्रा के हाथ-पैर बुरी तरह झुलस गए थे। इसके बावजूद

### छात्र को बदमाशों ने मारी गोली

सासाराम। जिले में दिनदहाड़े एक छात्र को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। अपराधियों ने स्कूल जा रहे छात्र को संरेआम गोली मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल छात्र को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घायल छात्र की पहचान कछवां थाना क्षेत्र के कैथी गांव निवासी दिनेश सिंह के 15 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि आशीष शुक्रवार की सुबह घर से निकलकर विद्यालय जाने के लिए बस स्टैंड के समीप खड़ा था। इसी दौरान बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों ने उसे गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, घायल छात्र औरंगाबाद जिले के दाउदनगर स्थित ज्ञान गंगा इंटर स्कूल का विद्यार्थी है।

गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल छात्र को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

## दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठकें

**शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील**

**नबिटा टीम**

**बांकेबाजार**

**गयाजी/ शिवाजीनगर।** दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीओ सुरज कुमार की उपस्थिति रहे।

रौशनगंज थानाध्यक्ष अनु राजा ने दुर्गा पूजा के अवसर पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी भाईचारा कायम रखने और पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपस्थित लोगों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने तथा पर्व के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। बैठक में डीजे संचालकों और पूजा समितियों से निर्धारित नियमों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने पर जोर दिया गया। प्रशासन ने सभी लोगों से आपसी सहयोग के साथ दुर्गा पूजा



पर्व मनाने की अपील की, ताकि क्षेत्र में शांति, सद्भाव और भाईचारे का माहौल बना रहे। **शिवाजीनगर से संवाददाता के अनुसार** आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने को लेकर हथौड़ी थाना एवं शिवाजीनगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। हथौड़ी थाना में आयोजित बैठक का अध्यक्षता थानाध्यक्ष मौसम ने की। वहीं, शिवाजीनगर थाना में आयोजित बैठक में थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार, सीओ अमरपाली यादव, बीडीओ वीरेंद्र कुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख डॉ. गोविंद कुमार सिंह एवं पीएचसी

प्रभारी डॉ. सुमित कुमार सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से आए जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आगामी दुर्गा पूजा को लेकर क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पूजा समितियों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने तथा त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा मनाने के लिए जागरूक करें। त्योहार के अवसर पर किसी भी

### जमीन विवाद में गोली मारकर हत्या

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **अररिया।** पूर्णिया सीमा क्षेत्र में वर्षों से चले आ रहे पारिवारिक जमीन विवाद में एक व्यक्ति की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। हत्या के बाद गांव में सप्तसनी फैल गई। वहीं, परिजनों में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया। घटना रानीगंज थाना अंतर्गत लखनवा बौसीबसेठी स्थित लालपुर नहर के फाटक के समीप घटी है। मृतक की पहचान अररिया जिले के रानीगंज थाना अंतर्गत लखनवा बौसीबसेठी निवासी नंदू शर्मा के पुत्र रंजीत शर्मा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रंजीत शर्मा अपने घर से कुछ ही दूरी पर स्थित खेत में काम निपटाकर पैदल वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अररिया जिले के लालपुर नहर के फाटक के समीप पहले से चला लगाए बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और पेट में गोली मारकर मौके से फरार हो गए।

**आदिवासी महिला के साथ पुलिसकर्मियों ने किया अमानवीय व्यवहार**

## थाने में प्रताड़ना और जातिसूचक गालियां

**सीएम सोरेन ने लिया संज्ञान**

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**लातेहार ।** जिले में एक आदिवासी महिला के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा अमानवीय व्यवहार और मारपीट का मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लातेहार पुलिस को तत्काल जांच और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। हेरंज गांव की निवासी पुनिया देवी ने बरियातू थाने के थाना प्रभारी और तीन अन्य पुलिसकर्मियों पर थाने में टांगकर पीटने तथा जातिसूचक गालियां देने का गंभीर आरोप लगाया है। इस घटना की जानकारी सावजनिक होने के बाद मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया के जरिये पुलिस प्रशासन को मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। झारखंड जनाधिकार महासभा के अनुसार, यह घटना 5 अक्तूबर को दोपहर के समय घटी। पीड़ित महिला पुनिया देवी अपने गांव के पास बकरी चरा रही थीं। उसी दौरान बरियातू थाना के थाना प्रभारी अपने तीन अन्य सहयोगियों के साथ सांढे कपड़ों में वहां पहुंचे। महिला का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने बिना किसी वजह के उनके साथ बेहमी से मारपीट शुरू कर दी। पुलिसकर्मी

## गड्डे में डूबने से दो मासूमों की गयी जान

**खेलते समय गहरे पानी भरे गड्डे में फिसले**

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**मधेपुरा।** मधेपुरा जिले के आलमनगर प्रखंड अंतर्गत रतवारा थाना क्षेत्र के लुटना टोला में शुक्रवार की दोपहर एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। घर के पास खेलते समय पानी से लबालब भरे गहरे गड्डे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में एक स्थानीय बालक और दूसरा खगड़िया जिले से ननिहाल आया उसका ममेरा/फुफेरा भाई शामिल है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया और दोनों परिवारों के परिजनों का रो-रोकर बुग्य हाल है।

मृतक बच्चों की पहचान गंगापुर पंचायत के लुटना टोला निवासी जागो पटेल के छह वर्षीय पुत्र खगेश कुमार और खगड़िया जिले के बैसाबैसी गांव निवासी उच्चो यादव के नौ वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार के रूप

में की गई है। परिजनों ने बताया कि प्रिंस कुछ ही दिन पहले अपने नाना के घर लुटना टोला घूमने आया हुआ था।

प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब ढाई से तीन बजे के बीच दोनों बच्चे घर के पास खेल रहे थे। खेलते-खेलते दोनों सड़क किनारे पानी से भरे एक बड़े गड्डे के समीप चले गए। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में समा गए। काफी देर तक जब बच्चों की आवाज नहीं आई और पास से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर पानी में उतराते कपड़ों पर पड़ी, तो उन्होंने शोर मचाया। स्थानीय तैराकों और ग्रामीणों ने फौरन पानी में छलांग लगाकर दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। पानी पेट में चले जाने और दम घुटने से सांसें थम चुकी थीं।

महिला को जबरन रास्ते भर पीटते और अभद्र व्यवहार करते हुए थाने ले गए। इसके बाद उन्हें पूरी रात थाने में हिरासत में रखा गया और प्रताड़ित किया गया।

पीड़ित महिला का आरोप है कि बरियातू थाने में ले जाकर पुलिसकर्मियों ने उन्हें उल्टा टांग दिया और निर्दयता से पीटा। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उनके खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल

## कोटक सिक्योरिटीज ने अपने रिटेल बिजनेस का नाम बदलकर किया कोटक नियो

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

पटना। कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड ने अपने ग्राहकों के सामने इस्तेमाल होने वाली पहचान (कस्टमर फेंसिंग आइडेंटिटी) को बदलकर कोटक नियो करने का ऐलान किया। इसका उद्देश्य एक इंटीग्रेटेड और भविष्य के लिए तैयार इन्वेस्टमेंट इकोसिस्टम बनाना है। कोटक नियो के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्रीपाल शाह ने कहा कि निवेशकों की जरूरतें लगातार बदल रही हैं।

आज वे सिर्फ अलग अलग प्रोडक्ट जैसे शेयर,

म्यूचुअल फंड या डेरिवेटिव के बारे में नहीं सोचते। वे यह भी देखते हैं कि अपनी संपत्ति कैसे बढ़ाई जाए, निवेश को अलग-अलग जगह कैसे बांटा जाए और अर्थव्यवस्था के अलग अलग क्षेत्रों में मौजूद मौकों का फायदा कैसे उठाया जाए। लेकिन इन सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए अक्सर निवेशकों को कई अलग अलग प्लेटफॉर्म, कंपनियों और सलाहकारों से जुड़ना पड़ता है। कोटक नियो के जरिए हमारा लक्ष्य निवेश की इस पूरी प्रक्रिया को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाना है।

## बैठक में नहीं निकला डैमेज कंट्रोल का समाधान

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**पटना।** बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले एनडीए में डैमेज कंट्रोल की कोशिशों के बीच नेताओं की नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है। चुनाव में मतों के बिखराव को रोकने और असंतुष्ट नेताओं को मनाने के उद्देश्य से हुई बैठक के बाद भी स्थिति पूरी तरह सामान्य होती नहीं दिख रही। मोकामा के जदयू विधायक अनंत सिंह अपने पुराने रुख पर कायम हैं, जबकि भाजपा के विधान परिषद प्रत्याशी नवल किशोर यादव भी उनके नाम पर सवाल पूछे जाने से नाराज नजर आए। बैठक से बाहर निकलने के बाद नवल किशोर यादव भी उनके अनंत सिंह को लेकर सवाल किया गया तो वे भड़क उठे। उन्होंने कहा, 'जे न पूछे से खसारी के दाल। अनंत सिंह आ फलना सिंह के बात करते हैं। कोई मुद्दा नहीं तो ऐसी ही लटर-पटर बात करते हैं।' इतना कहने के बाद वे आगे बढ़ गए। उनके इस बयान ने चुनाव से पहले एनडीए के भीतर आपसी तालमेल को लेकर चर्चा तेज कर दी है।

बैठक के बाद अनंत सिंह ने भी अपने रुख में बदलाव के संकेत नहीं दिए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे अनुज सिंह का समर्थन करेंगे। उन्होंने दावा किया कि बैठक में चुनाव को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी उनसे इस संबंध में कोई बात नहीं की। अनंत सिंह ने अपने रुख के पीछे जदयू नेता नीरज कुमार के साथ राजनीतिक विरोध का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि यह पार्टी स्तर का चुनाव नहीं है। नीरज कुमार ने उनका विरोध किया था, इसलिए वे भी उनका विरोध करेंगे।

अनंत सिंह के रुख को लेकर सवाल उठने पर बिहार सरकार के मंत्री जमा खान ने स्थिति संभालने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'अनंत सिंह को मनाने की बात कहाँ है? वे हमारे भाई हैं। हम सब लोग एक हैं। एक होकर चुनाव जीतना है।'

हालाँकि, जब उनसे अनंत सिंह के घोषित रुख और अनुज सिंह को समर्थन देने के फैसले के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से बोलने से परहेज किया।

## बालू लदे ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो भाईयों को रौंदा

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**आरा।** भोजपुर जिले के आरा मुफसिल थाना क्षेत्र के गोटहुला गांव स्थित चिमनी भट्ठा के समीप शुक्रवार की सुबह बाबू लदे ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो मौसैरे भाइयों को रौंद दिया। हादसे में बाइक चला रहे 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा उसका 14 वर्षीय मौसैरा भाई जखमी हो गया। घायल किशोर का इलाज सदर अस्पताल ,आरा में कराया गया। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान नवादा थाना क्षेत्र के बंधन टोला मोहल्ला निवासी संतोष गिरी के 17 वर्षीय पुत्र सन्नी कुमार के रूप में हुई है। वहीं, घायल किशोर उसी थाना क्षेत्र के श्री टोला निवासी स्व. मिथिलेश पासवान का 14 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार है। दोनों रिश्ते में मौसैरे भाई लगते थे।

इधर, घायल साहिल कुमार ने बताया



कि सन्नी कुमार का गोटहुला गांव में मकान बन रहा है। इसी सिलसिले में दोनों शुक्रवार की सुबह बाइक से गोटहुला गांव जा रहे थे। इस दौरान गांव स्थित चिमनी भट्ठा के समीप विपरीत दिशा से आ रहे बालू लदे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मारते हुए दोनों को रौंद दिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से जखमी हो गए। इसके बाद साहिल ने घटना की सूचना स्वजन को दी। सूचना मिलते ही स्वजन मौके पर पहुंचे और दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाने लगे।

हालाँकि, रास्ते में ही सन्नी कुमार ने दम तोड़ दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। सन्नी अपने तीन भाइयों के एक बहन में दूसरे स्थान पर था। मां पुनम देवी समेत परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

**फरार वारंटी गिरफ्तार**

**बांकेबाजार गयाजी।**

रौशनगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे कजराटांड गाँव से सुजीत कुमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

इस कार्रवाई से क्षेत्र में फरार आरोपियों के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

### मोटोरोला की बिग बिलियन मोटो डील्स लाइव

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**पटना।** भारत का प्रमुख ऐआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने अपने नए स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज सेल 2026 के दौरान इट्स द टाइम टु मोटो अभियान के तहत हैशटैग बिगबिलियनमोटोडील्स के साथ शानदार फेस्टिव ऑफर्स ला रहा है। शानदार फीचर्स वाले मोटोरोला एज 70 प्यूजुन, असली फ्लैगशिप फिक्लर मोटोरोला एज 70 प्रो, ऐआई कैमरा पॉवरहाउस मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस से लेकर दमदार बैटरी वाले मोटो जी 37 पावर और मोटोरोला के प्रीमियम फ्लैगशिप मोटोरोला सिग्नेचर तक। ब्रांड त्योहारों के इस मौके पर नया फोन खरीदना पहले से कहीं अधिक आसान बना रहा है।

यह सेल अब फ्लिपकार्ट पर लाइव है जहाँ ग्राहक बिग बिलियन डेज सेल के दौरान मोटोरोला के लेटेस्ट स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर खास डिस्काउंट और ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं।

## रांची में मैच से पहले ही चढ़ा क्रिकेट का रंग

**सूर्यवंशी और ईशान को ले फैस में उत्साह**

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता** **रांची।** राजधानी में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले को लेकर क्रिकेट का खुमार छाया हुआ है। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम के बाहर सुबह से ही क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ जुटने लगी। मैच शाम सात बजे शुरू होना है, लेकिन फैस का उत्साह देखते ही बन रहा है। खिलाड़ियों की एक झलक पाने और मुकाबले का रोमांच महसूस करने के लिए दर्शक एंट्री शुरू होने से करीब दो घंटे पहले ही स्टेडियम पहुंचने लगे।

रांची में भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मुकाबले को लेकर फैस में खासा उत्साह है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन की मैदान पर खेलते देखने के लिए क्रिकेट प्रेमी बेताब हैं। स्टेडियम पहुंचे दर्शकों को उम्मीद है कि दोनों खिलाड़ी अपने बल्ले से शानदार

प्रदर्शन करेंगे। फैस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने और उनके खेल का रोमांच करीब से महसूस करने के लिए उत्साहित हैं।

बिरसा चौक से ही खिलाड़ियों की जर्सी बेचने वाले दुकानदार खड़े थे। क्रिकेट फैस यहां रुककर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम वाली टी-शर्ट खरीद रहे थे। दुकानों पर वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन की जर्सी की सबसे अधिक मांग दिखी।इनके अलावा विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की टी-शर्ट भी खूब पसंद की जा रही थी। अभिषेक शर्मा, श्रेयस अय्यर और रोहित शर्मा के नाम वाली जर्सी खरीदने के लिए भी प्रशंसकों में उत्साह दिखा। कई फैस अपनी पसंदीदा जर्सी पहनकर 'विराट-विराट' के नारे लगाते हुए स्टेडियम की ओर बढ़ रहे थे।

बिहार के राजगीर से भी कुछ



क्रिकेट प्रेमी मैच देखने रांची पहुंचे हैं। यहां आते ही उन्होंने ईशान किशन, वैभव सूर्यवंशी और महेंद्र सिंह धोनी के नाम वाली टी-शर्ट खरीदी और उन्हें पहनकर तस्वीरें खिंचवाईं।

उनका कहना था कि बिहार का लाल ईशान किशन मैदान पर खेल रहा है, तो उसे खेलते देखने का मौका भला कैसे छोड़ सकते हैं। अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को मैदान पर खेलते देखने के लिए वे काफी उत्साहित हैं।

रांची में क्रिकेट का जुनून ऐसा है कि झारखंड के अलग-अलग जिलों के साथ दूसरे राज्यों से भी प्रशंसक भारत-वेस्टइंडीज का मुकाबला देखने पहुंचे हैं। पलामू से आए क्रिकेट प्रेमियों ने बताया कि वे टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम आए हैं। मैच देखने के लिए कुछ प्रशंसकों ने पहले से ही टिकट का इंतजाम कर लिया था, जबकि कई लोगों ने ऑनलाइन टिकट बुक कर मुकाबले का हिस्सा बनने की तैयारी की।

# बिहार में ग्रीन एनर्जी क्रांति की तैयारी, 16 हजार करोड़ के निवेश से खुलेंगे रोजगार के नए रास्ते

**प्रतिवर्ष एक लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य**

## नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशानुसार राज्य सरकार एनर्जी ट्रेनिज्शन की ओर सकारात्मक कदम बढ़ाते हुए बिहार ग्रीन हाइड्रोजन नीति, 2026 लागू कर रही है। इससे अगले पाच वर्षों में एक लाख टन प्रति वर्ष हरित हाइड्रोजन उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत औद्योगिक क्षेत्र में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन राशि दिया जाएगा जो अन्य राज्यों के सापेक्ष में बेहतर है। इसका कुल प्रोत्साहन

राशि 1040.25 करोड़ रुपये है। इससे निवेशक बिहार में लगभग 16 हजार करोड़ की राशि हरित हाइड्रोजन के उद्योग के क्षेत्र में निवेश कर सकेंगे। उर्जा मंत्री ने कहा कि बिहार ग्रीन हाइड्रोजन नीति, 2026 को लागू करने का उद्देश्य भारत सरकार के 5 प्वाइंट एक्शन प्लान नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन के तहत 2030 तक कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को 1 बिलियन टन कम करना है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में बिहार राज्य का पूर्ण भागोदारी भी होगी। उन्होंने बताया कि बिहार ग्रीन (हरित) हाइड्रोजन नीति, 2026 राज्य में स्वच्छ ऊर्जा, औद्योगिक

विकास एवं रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरगामी पहल है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में लागू की जा रही इस नीति के तहत अगले पांच वर्षों में प्रतिवर्ष एक लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है। उर्जा मंत्री ने कहा कि यह नीति बिहार को हरित ऊर्जा एवं औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, युवाओं के लिए रोजगार और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राज्य सरकार का संकल्प बिहार को स्वच्छ

ऊर्जा, हरित औद्योगिकीकरण और सतत आर्थिक विकास का प्रमुख केंद्र बनाना है। बिहार ग्रीन हाइड्रोजन नीति, 2026 इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगी तथा राज्य के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण को भी नई मजबूती प्रदान करेगी। बिहार ग्रीन (हरित) हाइड्रोजन नीति, 2026 के मुख्य विशेषताएं- राज्य में लगभग 10 लाख टन कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी। हरित हाइड्रोजन का उत्पादन मुख्य रूप से पानी से बिजली की मदद से किया जाता है। इसके उपयोग से प्राकृतिक गैस पर निर्भरता कम होगी और

ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए आयातित प्राकृतिक गैस पर खर्च भी कम हो सकेगा। निवेशकों द्वारा राज्य में लगभग 16 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त होगा। निवेशकों को राज्य में 1040.25 करोड़ रुपये की आकर्षक प्रोत्साहन राशि प्राप्त होंगे। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 12 हजार रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इस प्रकार से ग्रीन हाइड्रोजन की मूल्य श्रृंखला विकसित होने से राष्ट्रीय जलवायु एवं स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान के साथ-साथ राज्य में सतत आर्थिक विकास और आम-जनमानस के लिए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।



किया जाएगा। इसके अलावा नगर निगम, नगर पंचायत और ग्राम पंचायत के बस स्टैंडों का भी सीढ़ीकरण किया जाएगा जहां यात्रियों के लिए पेयजल, यात्री शेड, शौचालय और संपर्क सड़क जैसी बुनियादी जनसुविधाएं सुनिश्चित की जाएगी। परिवहन विभाग द्वारा यह भी अवात कराया गया कि यात्रियों की सुविधा, टिकटिंग और बसों की लाइव ट्रैकिंग के लिए जल्द ही 'हवैयर इज माई बस' मोबाइल ऐप विकसित किया जाएगा जिससे आवागमन की समस्त जानकारीयें एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिल सकेंगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गयाजी सहित बिहार के 31 स्थानों पर

## बिहार इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड सेरेमनी का आयोजन आज, 29 फिल्मकार होंगे सम्मानित

**पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद होंगे मुख्य अतिथि, फिल्म जगत की प्रतिभाओं को मिलेगा सम्मान**

## नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

**पटना।** बिहार में पहली बार बिहार इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड सेरेमनी 2026 का आयोजन 10 अक्टूबर को किया जाएगा। प्रबुद्ध इंटरटेनमेंट एवं इंडियन फिल्म मेकर एसोसिएशन, बिहार चैप्टर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस समारोह में फिल्म जगत से जुड़ी 29 हस्तियों, फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह का आयोजन पटना के एसपी वर्मा रोड स्थित कॉन प्लेस मॉल में शाम पांच बजे से रात नौ बजे तक होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविक्रम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद होंगे।

वहीं, बिहार एकस्प्रेसर योग कॉलेज के सचिव डॉ. अजय प्रकाश विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में कई राजनेताओं, पदाधिकारियों और अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंडियन फिल्म मेकर एसोसिएशन, बिहार चैप्टर के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. श्रीप्रकाश बरनवाल करेंगे। वहीं मुंबई से पहुंचे एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव रामचंद्र रेड्डी मुख्य वक्ता के रूप में अपनी बात रखेंगे। समारोह को सफल बनाने में राज्य सचिव वंदना शर्मा, संयुक्त सचिव दीपक राय और राज्य कोषाध्यक्ष सुधा कुमारी की भूमिका महत्वपूर्ण बताई गई है।

## नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बिहार तकनीकी सेवा आयोग की अनुशंसा पर चयनित 7348 स्टाफ नर्स के सफल अभ्यर्थियों की राज्य के विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पदस्थापना कर दी गई है। 7348 स्टाफ नर्स के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों में 4888 महिला एवं 2460 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं। इन तकनीकी कर्मियों की नियुक्ति से राज्य के मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों, जिला अस्पतालों,



अनुमंडलीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, रेफरल अस्पतालों में स्टाफ नर्सों के कर्मियों की कमी दूर होगी। इससे अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, कार्यक्षमता एवं त्वरित सेवा में उल्लेखनीय सुधार आएगा। साथ ही मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएं अधिक सुगम, बेहतर और प्रभावी तरीके से

उपलब्ध हो सकेंगी। स्वास्थ्य विभाग ने पूरी पदस्थापना प्रक्रिया को पारदर्शी, मेरिट आधारित एवं संवेदनशील बनाया है। पदस्थापना के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के सॉफ्टवेयर के माध्यम से रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया अपनाई गई है। विद्योग अस्थितियों को उनका गृह जिले (होम डिस्ट्रिक्ट) में पदस्थापित किया गया है। वहीं महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों को उनकी मेरिट के अनुरूप गृह जिला या निकटवर्ती जिलों के पास पदस्थापना देने का प्रयास किया गया है। सभी स्टाफ नर्सों को निर्देश दिया गया है कि वे एक माह के भीतर अपने सभी शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक मूल

प्रमाण-पत्रों के साथ संबंधित संस्थान में योगदान देंगे। संबंधित संस्थान के अधीक्षक/निदेशक/असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा उनके प्रमाण-पत्रों का मूल अभिलेखों में मिलान कर सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा तथा तीन माह के भीतर निर्गत संस्थानों से उनकी जांच एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कर विभाग को प्रतिवेदित किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने सभी नवपदस्थापित स्टाफ नर्सों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

## नवी पिल्लै का मानवाधिकार एवं न्याय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान : डॉ. प्रेम कुमार नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी नागरिक नवनेथम 'नवी' पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि न्याय, मानवाधिकार और शांति की स्थापना के लिए नवनेथम 'नवी' पिल्लै का योगदान सराहनीय है। मानवाधिकारों की रक्षा तथा वैश्विक स्तर पर न्याय की स्थापना के लिए उनके प्रयास संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी उपलब्धि भारतीय मूल के लोगों का गौरवशाली परंपरा को भी सम्मान प्रदान करती है। ऐसी विभूतियां अपने कार्यों से देश और समाज का गौरव बढ़ाती है तथा विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करती हैं।

## केवाइपी डिजिटल मित्र योजना के वर्तमान प्रारूप का विरोध 1,731 पूर्व संचालित केंद्रों की पुनर्वहाली की मांग तेज

## नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** बिहार में कुशल युवा कार्यक्रम के पूर्व संचालित 1,731 केंद्रों की पुनर्वहाली को लेकर केंद्र संचालकों ने विभाग की 'केवाईपी डिजिटल मित्र' योजना के वर्तमान प्रारूप पर कड़ा विरोध जताया है। संचालकों का कहना है कि प्रसावित योजना के प्रावधान पूर्व में हुई सहमति और केवाईपी की मूल भावना के अनुरूप नहीं है। गौरतलब है कि सभी पूर्व संचालित केवाईपी केंद्रों की पुनर्वहाली की मांग को लेकर 25 अगस्त 2026 से पटना के गर्दनाबाग में धरना शुरू किया गया था। इसके बाद 01 सितंबर से भूख हड़ताल भी की गई। 02 सितंबर को विभागीय प्रतिनिधिमंडल ने धरनास्थल पर वार्ता की तथा 03 सितंबर को नियोजन भवन स्थित मंथन सभागार में विभागीय अधिकारियों और केंद्र संचालकों के प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता हुई। संचालकों के अनुसार वार्ता में सभी 1,731 केंद्रों के स्वतः नवीनीकरण एवं पूर्ववत प्रशिक्षण व्यवस्था बहाल करने की मांग पर सहमति बनी थी। इसके बाद 04 सितंबर को दीधा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने नारियल पानी पिलाकर



भूख हड़ताल समाप्त कराई। केंद्र संचालकों का आरोप है कि पूर्व में बनी सहमति के बावजूद विभाग द्वारा 'केवाईपी डिजिटल मित्र' योजना को अंगे बढ़ाया गया है। इस योजना के वर्तमान प्रारूप में प्रशिक्षण क्षमता 120/180 से घटाकर 40/60 प्रशिक्षु प्रति तिमाही किए जाने तथा अनुभव, कार्यस्थल प्रशिक्षण, मूल्यांकन और रोजगार से संबंधित नई शर्तों का प्रावधान सामने आया है। संचालकों का मानना है कि इससे प्रशिक्षण व्यवस्था और युवाओं

तक कौशल विकास का लाभ पहुंचाने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। केंद्र संचालकों ने विभाग से मांग की है कि इस मामले में शीघ्र निर्णय लेकर पूर्व संचालित केंद्रों का संचालन बहाल किया जाए। उनका कहना है कि यह केवल केंद्र संचालकों की आजीविका का प्रश्न नहीं, बल्कि बिहार के हजारों युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से भी जुड़ा विषय है।

## बिहार विद्यापीठ में प्लास्टिक मुक्त परिसर के लिए स्लोगन लेखन एवं जागरूकता अभियान

## बिहार विद्यापीठ: देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की पहल

## नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** बिहार विद्यापीठ : देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सयकत आश्रम, पटना द्वारा महाविद्यालय परिसर में 'प्लास्टिक-मुक्त परिसर जागरूकता अभियान' के अंतर्गत स्लोगन लेखन एवं रैली कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिहार विद्यापीठ के सचिव डॉ राणा अवधेश भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवा निवृत्त पदाधिकारी, निदेशक, शिक्षा संस्कृति एवं संग्रहालय डॉ मुंदुरा प्रकाश, संयुक्त सचिव अवधेश के नारायण तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पूनम



वर्मा एवं सहायक प्राध्यापकगण डॉ प्रतिमा कुमारी, डॉ रीना चौधरी, रजनी रंजन, रिमल कुमारी, डॉ शरदा शाहीन, चन्द्रकान्त आर्य, सौरभ भारद्वाज, सुधीर कुमार ने सामूहिक रूप रैली को नारा लगाते हुए प्रस्थान किया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं परिसर में आने वाले लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा

स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-अनुकूल परिसर के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्लास्टिक का अनिर्जित उपयोग मिट्टी, जल, वायु और जीव-जगत के लिए गंभीर चुनौती है। विशेष रूप से एकल-उपयोग प्लास्टिक पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ाता है और उसके अवशेष लंबे समय तक प्रकृति को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए

## जागरूकता अभियान

प्लास्टिक के विकल्पों को अपनाना, कपड़े अथवा जूट के थैलों का उपयोग करना, कचरे का उचित पृथक्करण करना तथा पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करना सायय की आवश्यकता है। इस अवधारणा को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए उपस्थित प्रशिक्षुओं, प्राध्यापकों एवं पदाधिकारियों द्वारा लिया गया। इस संकल्प का आशय था-स्वच्छ परिसर, स्वस्थ पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य के लिए प्लास्टिक के अनावश्यक उपयोग से बचें तथा पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

## संगीत के माध्यम से जो शांति मिलती है वो कही नहीं मिल सकती : सम्राट चौधरी

## नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** पटना के खींद्र भवन में स्पिक मैके एवं श्रीम एडुकेनल ट्रस्ट द्वारा के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। आयोजित सांस्कृतिक समारोह 'दुर्गा' स्वरोत्सव 2026' का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कर - कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पटना साहिब के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, कला संस्कृति मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकेश्वर प्रसाद, पटना की महापौर सीता साहू, उप महापौर रािस चंद्रवंशी, दीधा विधायक संजीव चौरसिया, बिहार पारिद संजय मुखूषी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ माया शंकर और स्पिक मैके से मनीष ठाकुर,



अनूप कुमार, प्रतिमा कुमार द्वारा आगत अतिथियों को पौधा सहित गमला देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि संगीत के माध्यम से जो शांति मिलती है वो कही नहीं मिल सकती। संगीत के बिना जीवन अधूरा है, नशामुक्त भारत बनाने के लिए सबसे बेहतर उपाय संगीत ही है और सच्ची विद्यालयों के संगीत को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार हमेशा प्रयासरत रहेगी।

## धान खरीद एवं गोदाम निर्माण में तेजी लाएं पदाधिकारी : राम कृपाल यादव

## नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने मागध एवं कोसी प्रमंडल के सभी जिलों में सहकारिता विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में धान अधिप्राप्ति एवं चावल आपूर्ति, गोदाम निर्माण, बैंक मिश्रों के माध्यम से माइक्रो एटीएम की डोरस्टेप सुविधा, पैकनों में कॉमन सर्विस सेंटर का संचालन, पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण वितरण, सहकारी बैंकों की स्थिति तथा नेजेफेड एवं प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों की प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्री ने संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियाच्यवन, लंबित कार्यों के



समयबद्ध निष्पादन तथा जिलावार प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया। गोदाम निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मागध जिला सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गोदाम निर्माण किसानों के कृषि उत्पादों के सुरक्षित भंडारण एवं सहकारिता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अतः निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए तथा भूमि की उपलब्धता, निर्माण संबंधी बाधाओं एवं अन्य लंबित प्रक्रियाओं का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में मागध प्रमंडल में निर्धारित लक्ष्य 5,84,748 मीट्रिक टन के विरुद्ध 5,84,125.50 मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति की गई, जो लक्ष्य का लगभग 99.89 प्रतिशत है।

## नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** बिहार का मखाना 20 से अधिक देशों के बाजारों तक पहुंच चुका है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीड) के सहयोग से बिहार सरकार जीआई टैग प्राप्त सिंधिला मखाना को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने की कोशिश कर रही है। इस वर्ष अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस में बिहार के मखाना उत्पादों का निर्यात हुआ है। बिहार सरकार मखाना को वैश्विक सुपरफूड बनाने के लिए पांच वर्षीय कार्ययोजना पर काम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक चलने वाले मखाना से समृद्ध अभियान के तहत खेती का क्षेत्रफल दोगुना करने, उत्पादन बढ़ाने और



अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बिहार की हिस्सेदारी मजबूत करने का लक्ष्य है। इस मामले में कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि देश के मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80 से 85 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 7,200 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और मूल्यवर्धित उत्पादों का 20 से अधिक देशों को निर्यात किया गया, जिससे 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर की आय हुई।

## कृष्णा अल्लावरु ने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने पर दिया जोर

## ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर नवंबर तक आंदोलन करेगी बिहार कांग्रेस : राजेश राम

## नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों और जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने की। बैठक में संगठन की मजबूती, पार्टी की गतिविधियों, जनसंपर्क अभियान और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आगामी चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने प्रदेश पदाधिकारियों एवं



जिला अध्यक्षों के साथ संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, जिला से लेकर प्रखंड और पंचायत स्तर तक पार्टी की सक्रियता बढ़ाने तथा कांग्रेस के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने संगठन के विभिन्न स्तरों के बीच बेहतर समन्वय, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और जनता के साथ नितर

संवाद स्थापित करने की आवश्यकता पर चर्चा की। बैठक में आगामी आंदोलन की तैयारियों और संगठन की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर बिहार कांग्रेस नवंबर तक कई चरणों में राज्यव्यापी आंदोलन चलाएगी।



## संपादकीय

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा है और लोग इस वक्त घर, वाहन तथा कारोबार जैसी जरूरतों के लिए बैंक से कर्ज लेने की योजना बनाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो दर को 0.25 फीसद बढ़ाकर 5.50 फीसद करने का फैसला बढ़ती महंगाई और रुपए की विनिमय दर में गिरावट से बन रहे दबाव के कारण नीतिगत रुख में बदलाव का संकेत है।

इसमें दोराय नहीं कि वस्तुओं के मूल्यों पर नियंत्रण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए बड़ी चुनौती होती है। जब महंगाई का दबाव बढ़ता है और कीमतों में लगातार वृद्धि होने लगती है, तब आरबीआई मौद्रिक नीति के माध्यम से मांग को नियंत्रित करने का प्रयास करता है। मगर इसका असर कर्ज, निवेश, रोजगार, उपभोग और आर्थिक विकास पर भी पड़ता है। रेपो दर बढ़ाने का

## रेपो दर बढ़ी, महंगाई की मार के बीच आम लोगों पर बढ़ेगा कर्ज का बोझ

सबसे ज्यादा असर कर्ज के लेन-देन पर पड़ेगा। आवास एवं वाहन समेत अन्य कर्ज महंगे हो सकते हैं और मौजूदा कर्जदारों की मासिक किस्त भी बढ़ सकती है। यानी पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को अब दोहरा संकट झेलना पड़ सकता है।आरबीआई का यह कदम हालांकि व्यापक रूप से अपेक्षित था, लेकिन नीतिगत रुख को तटस्थ से बदलकर 'सूझ-बूझ के साथ सख्त' करने का निर्णय कुछ हद तक चौंकाने वाला

है। इससे निकट अवधि में रेपो दर में कटौती की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। करीब चार साल में पहली बार रेपो दर में बढ़ोतरी की गई है और आगे भी यह क्रम जारी रह सकता है। रेपो दर वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक आरबीआई से कर्ज लेते हैं। जब इस दर में इजाफा होता है, तो अमूमन बैंक भी लोगों के लिए ऋण पर ब्याज दर बढ़ा देते हैं।आरबीआई का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा

है और लोग इस वक्त घर, वाहन तथा कारोबार जैसी जरूरतों के लिए बैंक से कर्ज लेने की योजना बनाते हैं। ऐसे में कर्ज पर ब्याज दर बढ़ने से या तो उन्हें अपनी योजना टालनी पड़ेगी या फिर ज्यादा मासिक किस्त चुकानी पड़ेगी, जिसका असर उनके घरेलू बजट पर भी पड़ेगा।रेपो दर बढ़ाकर महंगाई को नियंत्रित करने का असर मांग में कमी के रूप में सामने आता है। यदि उपभोक्ता महंगे कर्ज के कारण खर्च कम करते हैं और कंपनियां निवेश को

टालती हैं, तो वस्तुओं और सेवाओं की मांग पर दबाव पड़ सकता है। मांग कम होने से उत्पादकों के लिए कीमतें बढ़ाना कठिन हो जाता है। मगर महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती।खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएं, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल या भू-राजनीतिक संकट जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बन सकती हैं। ऐसे में रेपो दर बढ़ाने का प्रभाव सीमित हो सकता है।

# एलन मस्क ने घेरा तो मोदी सरकार ने दिया करारा जवाब!

(नीरज कुमार दुबे )

भारत सरकार ने मस्क के आरोप को सीधे खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाओं के लिए बनाए गए नियम निष्पक्ष और किसी भी कंपनी के साथ भेदभाव से मुक्त हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन नियमों को किसी कंपनी के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताना बेबुनियाद है।

भारत में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलैंक की शुरुआत को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। एलन मस्क ने भारत में अपनी कंपनी की राह में कुछ प्रभावशाली उद्योगपतियों के रोड़े अटकाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ये कारोबारी भारतीय जनता पर अपना एकाधिकार और नियंत्रण बनाए रखने के लिए स्टारलैंक को भारत में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। मस्क ने यहां तक कह दिया कि यह भारत की जनता के खिलाफ अपराध है। लेकिन मस्क के इस बयान के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारत जैसे संप्रभु देश की सुरक्षा और दूरसंचार नीति अब किसी अरबपति के सोशल मीडिया बयान से तय होगी?

उधर, भारत सरकार ने मस्क के आरोप को सीधे खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाओं के लिए बनाए गए नियम निष्पक्ष और किसी भी कंपनी के साथ भेदभाव से मुक्त हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन नियमों को किसी कंपनी के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताना पूरी तरह बेबुनियाद और गलत समझ पर आधारित है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत सरकार ने साफ किया है कि स्टारलैंक अकेली कंपनी नहीं है जो मंजूरी की प्रक्रिया में है। सुनील भारती मित्तल समर्थित वनवेब, मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो और एलन मस्क की स्टारलैंक, तीनों कंपनियों के मामले में सुरक्षा संबंधी जांच चल रही है। सरकार के मुताबिक तीनों कंपनियां फिलहाल लगभग एक ही नियामकीय चरण में हैं। तो फिर मस्क से पहला सवाल यही पूछा जाना चाहिए कि अगर भारत सरकार तीनों कंपनियों की सुरक्षा जांच कर रही है, तो केवल स्टारलैंक को रोकने का आरोप भारत पर क्यों लगाया जा रहा है?

इस विवाद का दूसरा और बेहद अहम पहलू इसके समय से जुड़ा है। एलन मस्क का बयान अपने समय आया जब भारत दुनिया के सामने अपनी संचार और डिजिटल जागत की तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए तैयार था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दसवें संस्करण का उद्घाटन किया। दुनिया के सौ से अधिक देशों की भागीदारी वाले इस आयोजन में भारत की 5जी तकनीक, डिजिटल संपर्क व्यवस्था, दूरसंचार क्षेत्र की उपलब्धियों और भविष्य की संचार तकनीक को दुनिया के सामने रखा जा रहा है। जब पूरी दुनिया भारत की



मुद्रा है राष्ट्रीय सुरक्षा। भारत ने स्टारलैंक को देश में आने से पूरी तरह मना नहीं किया है। कंपनी को भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाएं देने का आवश्यक लाइसेंस मिल चुका है। लेकिन लाइसेंस मिलना सेवा शुरू करने की अंतिम अनुमति नहीं है। इसके बाद सुरक्षा मंजूरी, रेडियो तरंगों के आवंटन और अन्य आवश्यक नियमों का पालन करना पड़ता है। यहीं पर मस्क के आरोप की असली परीक्षा होती है।

देखा जाये तो उपग्रह आधारित इंटरनेट सामान्य इंटरनेट सेवा से अलग है। यहां केवल तेज इंटरनेट पहुंचाने का सवाल नहीं है। इसके साथ भारतीय नागरिकों के आंकड़ों की सुरक्षा, आंकड़ों को देश के भीतर रखने, संचार की वैध निगरानी, आपातकालीन परिस्थितियों में सरकारी पहुंच और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर प्रश्न जुड़े हैं। भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भारतीय उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा कहाँ रखा जाएगा, संचार व्यवस्था पर किसका नियंत्रण होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों को कानून के तहत आवश्यकता पड़ने पर आवश्यक जानकारी और पहुंच किस प्रकार उपलब्ध होगी?

वहीं स्टारलैंक ने भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करते हुए दावा किया है कि उसने भारत में लगभग 20 जमीन आधारित केंद्र तैयार किए हैं और भारतीय

उपयोगकर्ताओं के आंकड़ों को देश के भीतर रखने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था विकसित की है। कंपनी की वरिष्ठ अधिकारी लॉरेन ड्रेयर ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कहा कि भारत से सभी आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद कंपनी सेवा शुरू करने के लिए तैयार है। लेकिन भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है, पहले सुरक्षा, उसके बाद सेवा।

साथ ही भारत के निष्पक्ष रवये का एक बड़ा उदाहरण खुद एलन मस्क की दूसरी कंपनी टेस्ला है। भारत ने टेस्ला को देश में कारोबार करने से नहीं रोका। टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोला और भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारों की



बिक्री शुरू की। अगर भारत सरकार वास्तव में मस्क की कंपनियों के खिलाफ होती, तो टेस्ला को भारतीय बाजार में प्रवेश की अनुमति क्यों दी जाती? लेकिन क्या कार बेचने और देश की संचार व्यवस्था का हिस्सा बनने को एक ही तराजू में तोला जा सकता है? बिल्कुल नहीं। कार एक उपभोक्ता वस्तु है, जबकि देश की संचार व्यवस्था सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा, आंकड़ों और रणनीतिक संचार से जुड़ी होती है। इसलिए दोनों क्षेत्रों में सुरक्षा के अलग-अलग मानक होना स्वाभाविक है।

यही बात मस्क के आरोपों पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा करती है। अगर भारत स्टारलैंक के साथ भेदभाव कर रहा है, तो वनवेब और रिलायंस जियो भी सुरक्षा जांच की प्रक्रिया से क्यों गुजर रहे हैं? और अगर भारत किसी एक कारोबारी समूह को फायदा पहुंचाना चाहता है, तो फिर मस्क की टेस्ला को भारत में कारोबार करने की अनुमति क्यों दी गई? इसमें कोई दो राय नहीं कि एलन मस्क को भारत के फैसले पर सवाल उठाने का अधिकार है। लेकिन किसी संप्रभु देश की नियामकीय प्रक्रिया पर सवाल उठाने के साथ आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण देना भी जरूरी है। केवल सोशल मीडिया पर प्रभावशाली उद्योगपतियों वाला आरोप लगा देना इस बात का प्रमाण नहीं बन जाता कि भारत की व्यवस्था

पक्षपातपूर्ण है।

भारत को विदेशी निवेश चाहिए, नई तकनीक चाहिए और दुनिया की बड़ी कंपनियों का स्वागत भी है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि किसी विदेशी कंपनी को राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊपर रखा जाए। भारत किसी अरबपति की निजी संपत्ति नहीं है और न ही किसी कारोबारी की सोशल मीडिया टिप्पणी भारत की नीतियां तय कर सकती है। भारत अपने फैसले अपनी संप्रभुता, अपने कानून, अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर करेगा। यही किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र का अधिकार है और यही उसकी जिम्मेदारी भी है।

एलन मस्क को यह भी समझना होगा कि भारत की सुरक्षा चिंता को केवल आशंका मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के दूसरे देशों में भी स्टार लैंक को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा और नियंत्रण से जुड़े गंभीर सवाल उठे हैं। ऑस्ट्रेलिया के सरकारी सुरक्षा अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि निजी उपग्रह इंटरनेट कंपनियों पर किसी देश का नियंत्रण सीमित हो सकता है। ऐसे में इन कंपनियों पर जरूरत के मुताबिक निगरानी और नियंत्रण न होने से देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा पैदा हो सकता है। यूक्रेन में तो स्टार लैंक की भूमिका सीधे युद्ध और सुरक्षा से जुड़ चुकी है। अमेरिकी सरकारी जांच में पाया गया कि स्टार लैंक दोहरे उपयोग वाली तकनीक है, जिसका इस्तेमाल नागरिक संचार के साथ-साथ युद्धक्षेत्र में ड्रोन संचालन, तोपों के निशाने और सैन्य संचार के लिए भी हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में स्टार लैंक उपकरण ऐसे क्षेत्रों में पहुंच गए थे जहां उनके दुरुपयोग या चोरी का जोखिम था। यही नहीं, 2026 में यूक्रेन ने रूसी ड्रोन के लिए स्टार लैंक के अवैध इस्तेमाल को रोकने के उद्देश्य से केवल अधिकृत उपकरणों को सेवा देने की व्यवस्था लागू की। म्यांमार में भी स्टारलैंक पर गंभीर आरोप लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय जांचों में सामने आया कि मानव तस्करी और साइबर ठगी के लिए चलाए जा रहे कुख्यात ठिकानों में स्टार लैंक का इस्तेमाल हो रहा था; एक कार्रवाई में ऐसे ही एक परिसर से 30 स्टार लैंक उपकरण जब्त किए गए थे।

यहां तक कि अमेरिकी सांसदों ने भी दक्षिण-पूर्व एशिया के इन ठगी केंद्रों में स्टार लैंक के इस्तेमाल को लेकर कर्षण से जवाब मांगा है। वैसे इन घटनाओं का अपन यह नहीं है कि स्टार लैंक स्वयं इन अपराधों में शामिल है, लेकिन ये घटनाएं यह जरूर दिखाती हैं कि इतनी शक्तिशाली और सीमापार काम करने वाली उपग्रह इंटरनेट व्यवस्था के इस्तेमाल पर किसी देश की सरकारें नियंत्रण, निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर इतनी सतर्क क्यों हैं? ऐसे में भारत अगर अपने यहां स्टार लैंक को पूरी सुरक्षा जांच और स्पष्ट शांतों के बाद ही अनुमति देना चाहता है, तो इसमें गलत क्या है?

## सच्ची खुशी क्या है? मन की शांति और खुश रहने के सरल उपाय

(शिवम् भारद्वाज )

खुशी एक बाहरी पुरस्कार नहीं, बल्कि भीतर उत्पन्न होने वाली अनुभूति है। हम अक्सर खुश होने को किसी विशेष उपलब्धि, चाह, वस्तु या परिस्थिति से जोड़ देते हैं। मगर वास्तविक अनुभव यह बताता है कि वे सारी चीजें अस्थायी संतोष देती हैं। उनके साथ अपेक्षाएं और चिंताएं भी जुड़ी होती हैं। जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो वह सुख शीघ्र ही खो जाता है। सच्ची खुशी वह होती है, जिसे हम किसी बाहरी कारण के बिना भी महसूस कर सकें। वह हमारे भीतर की गहराई में मौन होती है। इसे महसूस करना एक कला है, जिसका अभ्यास जीवन के छोटे-छोटे क्षणों में संतोष और पूर्णता लाता है।

खुशी का अनुभव पाने का पहला कदम है सचेत रहना। हम अपने अधिकांश समय में या तो अतीत के विचारों में उलझे रहते हैं या भविष्य की चिंता में खोए रहते हैं। इसी भ्रम में वर्तमान का अनुभव खो जाता है। सचेत ध्यान हमें वर्तमान से जोड़ता है। जब हम सचेत होते हैं, तो छोटी-छोटी बातों, सुबह की हवा, चाय की चुस्की, किसी के चेहरे पर मुस्कान में भी खुशी मिलती है।

यह उस जागरूकता का परिणाम है, जो हमें बताती है कि सुख और शांति पहले से उपलब्ध है। जरूरत है, तो केवल देखने और स्वीकारने की। मनोविज्ञान और आधुनिक शोध दोनों बताते हैं कि नियमित रूप से आभार व्यक्त करने वाले लोग अधिक प्रसन्न और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। आभार केवल सकारात्मक सोच नहीं है। यह यथार्थ की प्रशंसा करने का तरीका है, जिससे मन अधिक केंद्रित और खुश रहता है।

मानव होने का अर्थ ही सामाजिक जुड़ाव है। प्रेम, अपनापन और दोस्ती की गर्माहट दिल को तृप्त करती है। पर स्नेहपूर्ण संबंधों में खुशी तब स्थायी बनती है, जब वे पारदर्शी, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण हों। सक्रिय रूप से सुनना, बिना निर्णय के ध्यान देना और छोटे कृत्यों से प्रेम जाहिर करना, मदद करना या समय देना रिश्तों को गहरा और स्थायी बनाता है। अकेलापन और डिजिटल अस्मर्थता आज के युग की बड़ी चुनौतियां हैं। इसलिए किसी समुदाय या परिवार के साथ वास्तविक जुड़ाव पैदा करना खुशी के अनुभव को मजबूत करता है।

लक्ष्य और अर्थ का अस्तित्व भी खुशी को गहरा करता है। केवल सुख-सुविधा की खोज अक्सर खालीपन छोड़ जाती है, लेकिन एक अर्थपूर्ण उद्देश्य है किसी काम से जुड़ना, जो हमारे मूल्यों के अनुरूप हो। यह उद्देश्य बड़ा भी हो सकता है और छोटा भी। किसी जरूरतमंद की मदद करना, किसी कला को सीखना, बच्चों को पढ़ाना या अपने क्षेत्र में सामाजिक कार्य करना- ये सब जीवन में अर्थ और ज़िंदागी भरते हैं। जब व्यक्ति अपने कार्य में परिपूर्णता और कर्म का अनुभव करता है, तब खुशी बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं रहती।

खुशी को महसूस करने का एक और सरल, लेकिन गहरा तरीका है अपने विचारों की निगरानी करना। नकारात्मक धारणा और आत्म-आलोचना अक्सर खुशी के स्रोतों को छीन लेती हैं। स्वयं के प्रति दयालु बनना चाहिए, जैसे हम किसी मित्र के साथ व्यवहार करते हैं, वैसे ही अपने साथ व्यवहार करने की जरूरत है। जब मन में नकारात्मक विचार आएँ, तो उन्हें पहचानना तथा सच्चे और संतुलित विचारों से बदलने का अभ्यास करना चाहिए।

कला, संगीत और प्रकृति में डूब जाना भी खुशी को सीधे खोले रखता है। संगीत के सुर, कविता की भाषा, किसी चित्र के रंग या पौधे की छत्र- ये तीनों मन को तात्कालिक आनंद और आराम देते हैं। इन अनुभवों में प्रवेश करने के लिए बड़ी तैयारी की जरूरत नहीं। कभी-कभी पांच मिनट का गीत सुनना या खिड़की खोलकर बाहर की हवा में सांस लेना ठीक उतना ही असरदार होता है, जितना कोई लंबा प्रवास।

प्रकृति के साथ संबंध विशेषकर हमारे भीतर के सामंजस्य को जगाता है और एक शांत आनंद देता है, जो घड़ी के टिक-टिक से परे होता है। वस्तुओं और उपलब्धियों का मोह कम करना भी खुशी की कुंजी है। जब हम अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच स्पष्ट अंतर कर लेते हैं, तभी असली संतोष संभव होता है। सरलता का जीवन अपनाने का अर्थ है समृद्धारी से चयन करना और उन चीजों को महत्व देना, जो सच्चा आनंद देती हैं।

समय के साथ अनुकूलन का विचार भी समझना जरूरी है। मनुष्य की प्रवृत्ति है नए अनुभवों के साथ शीघ्र ही अस्थिर हो जाना। नया घर, नई कार और उन्नति शुरुआत में खुशी देते हैं, पर समय के साथ उनकी तीव्रता घट जाती है।

# बोस्निया की मतदान प्रक्रिया में ऐसा क्या है, जो भारत के लिए बन सकता है मिसाल?

**बोस्नियाक राष्ट्रवादी पार्टी आफ डेमोक्रेटिक एक्शन ने अपना अभियान सर्व अलगाववाद के खिलाफ बोस्निया को एकजुट रखने की कोशिशों पर केंद्रित किया है। बोस्नियाई क्रोट भी ज्यादातर अपनी जातीय पार्टियों का समर्थन करते हैं, जिनमें क्रोएशिया की सत्ताधारी कंजर्वेटिव क्रोएशियन डेमोक्रेटिक यूनियन की बोस्नियाई शाखा भी शामिल है। दरअसल, यूरोप के सबसे गरीब देशों में से एक है बोस्निया। वर्ष 1992 में जातीय लड़ाई तब शुरू हुई, जब बोस्निया ने सर्व-नेतृत्व वाले पूर्व यूगोस्लाविया से आजादी की घोषणा की थी।**

(पुष्परंजन )

बोस्निया में लगभग 34 लाख (3.4 मिलियन) मतदाता देश की मिली-जुली जातीय संरचना वाली प्रेसिडेंसी के तीन सदस्यों, राष्ट्रीय संसद के सांसदों और देश के दो हिस्सों के संस्थानों के प्रमुखों को चुन रहे हैं। हाल ही में बोस्निया-हर्जोगोविना में जिस तरह से मतपत्रों के जरिए चुनाव हुआ, क्या वह भारत के लिए आदर्श बन सकता है? बोस्निया ने इस बार के चुनाव में मतदान के लिए डिजिटल स्कैनर और बायोमेट्रिक मतपत्रों का इस्तेमाल किया। बाल्कन प्रायद्वीप पर अवस्थित इस देश को 'बोस्निया और हर्जोगोविना' भी कहते हैं। यूरोपीय संघ की शर्त है कि जो भी इसका सदस्य बनने का आकांक्षी है, वह चुनावों में पहले मतपत्र या बैलेट पेपर के जरिए मतदान कराए।

बोस्निया में आम चुनाव के लिए तेरह अगस्त की सुबह मतदान शुरू हुआ। इस देश में कई अलग-अलग जातीय समूहों के लोग रहते हैं और ज्यादातर नागरिक रोजमर्रा की समस्याओं पर ध्यान दे रहे हैं, जबकि कुछ मुख्यधारा के नेता युद्ध के समय के तनाव को फिर से हवा दे रहे हैं। इन तनावों ने 1992-95 के भयानक संघर्ष के बाद से ही देश को विभाजित कर रखा है।

बोस्निया में लगभग 34 लाख (3.4 मिलियन) मतदाता देश की मिली-जुली जातीय संरचना वाली प्रेसिडेंसी के तीन सदस्यों, राष्ट्रीय संसद के सांसदों और देश के दो हिस्सों के संस्थानों के प्रमुखों को चुन रहे हैं। ये दो हिस्से हैं- मुस्लिम-बहुसंख्यक 'फेडरेशन आफ बोस्निया एंड हर्जोगोविना' और 'रिपब्लिका सर्पस्का', जहां जातीय सर्बों का दबदबा है।

बोस्निया में शासन करने वाले संस्थानों का एक जटिल ढांचा है। इसे वर्ष 1995 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए शांति समझौते के तहत बनाया गया था। इसका मकसद मुस्लिम बोस्नियाक, ऑर्थोडॉक्स सर्ब और कैथोलिक क्रोट समुदायों के बीच जातीय

मतभेदों को संभालना था, जिनकी वजह से युद्ध हुआ था।

बोस्निया इस समय वैश्विक ताकतों के बीच प्रभाव बढ़ाने का एक बड़ा केंद्र बना हुआ है। चुनाव के नतीजे इस क्षेत्र में अमेरिका और रूस के भू-राजनीतिक प्रभाव को सीधे तौर पर प्रभावित कर सकते हैं। बोस्निया की ज्यादातर राजनीतिक पार्टियां देश के सर्व-नियंत्रित रिपब्लिका सर्पस्का और बोस्नियाक-क्रोएट फेडरेशन आफ बोस्निया-हर्जोगोविना में जातीय आधार पर बनी हैं। ये दोनों हिस्से केंद्रीय प्रेसिडेंसी और संसद के जरिए एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

बोस्नियाक राष्ट्रवादी पार्टी आफ डेमोक्रेटिक एक्शन ने अपना अभियान सर्वअलगाववाद के खिलाफ बोस्निया को एकजुट रखने की कोशिशों पर केंद्रित किया है। बोस्नियाई क्रोट भी ज्यादातर अपनी जातीय पार्टियों का समर्थन करते हैं, जिनमें क्रोएशिया की सत्ताधारी कंजर्वेटिव क्रोएशियन डेमोक्रेटिक यूनियन की बोस्नियाई शाखा भी शामिल है।

दरअसल, यूरोप के सबसे गरीब देशों में से एक है बोस्निया। वर्ष 1992 में जातीय लड़ाई तब शुरू हुई, जब बोस्निया ने सर्व-नेतृत्व वाले पूर्व यूगोस्लाविया से आजादी की घोषणा की थी। जातीय सर्बों ने अपना अलग राज्य बनाने और सर्बिया में शामिल होने के लिए हथियार उठा लिए थे। इस संघर्ष में एक लाख से ज्यादा लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए थे। बहरहाल, बोस्निया और हर्जोगोविना के केंद्रीय चुनाव अयोग के अनुसार, आधिकारिक और अंतिम चुनाव परिणाम 20 नवंबर, 2026 तक जारी कर दिए जाएंगे।

बहरहाल, इस समय विमर्श का विषय यह है कि जिस इलेक्ट्रॉनिक पहचान के साथ बोस्निया में मतपत्र के जरिए मतदान हुआ है, वह कितना सुरक्षित है? हालांकि, यह चुनावी धांधली रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक बेहद मजबूत कदम साबित हुआ है। बायोमेट्रिक पहचान से एक व्यक्ति द्वारा दूसरे के नाम पर



या मृत लोगों के नाम पर फर्जी वोट डालने की गुंजाइश लगभग खत्म हो जाती है। चूंकि मतदान आखिर भौतिक मतपत्र (फिजिकल बैलेट पेपर) पर ही होता है, इसलिए किसी भी तकनीकी खराबी या साइबर हमले की स्थिति में भौतिक मतपत्रों की दोबारा सामान्य तरीके से गिनती की जा सकती है। यह पूरी तरह से डिजिटल या ऑनलाइन मतदान के मुकाबले कहीं अधिक सुरक्षित है।

इस संबंध में बोस्निया और हर्जोगोविना के केंद्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष जोजेफ कालाबा का बयान उल्लेखनीय है कि बायोमेट्रिक्स से छद्म मतदान की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाती है, जबकि स्कैनर मानवीय दखल और जानबूझकर गिनती में होने वाली

गलतियों को रोकते हैं, जिससे मतदान केंद्र बंद होने के तुरंत बाद शुरुआती नतीजे मिल जाते हैं।

जाहिर है, अनियमितताओं की न्यूनतम गुंजाइश किसी चुनाव की शुचिता और विश्वसनीयता को कायम रखने के लिए जरूरी है। पोड लुपोग बोस्निया और हर्जोगोविना स्थित एक प्रमुख स्वतंत्र नागरिक गठबंधन है। पोड लुपोग के शोध से पता चलता है कि बोस्निया और हर्जोगोविना के लगभग चालीस फीसद नागरिकों को अपने वोट को लेकर किसी न किसी तरह के दबाव का सामना करना पड़ा है। नई प्रक्रिया में मतदाता की पहचान को मतदान केंद्र का अधिकारी 'बारकोड रीडर' से स्कैन करता है। फिंगरप्रिंट स्कैनर यानी अंगुलियों के निशान से वोटर की पहचान की पुष्टि मतदाता सूची के रिकॉर्ड से होती है। इस प्रणाली में पहचान की पुष्टि होने के बाद ही मतदाता को मतपत्र मिलते हैं। मतपत्र का डिजाइन भी बदला गया है। मतदाता को अपनी पसंद की पार्टी या उम्मीदवार के बगल में बने गोले को पूरी तरह से भरना होगा, न कि 'एक्स' का निशान लगाना होगा। एक खास बात यह भी है कि मतपत्र पर

उम्मीदवारों के नाम नहीं थे। इसके बजाय पार्टियों और उम्मीदवारों के नंबर लिखे थे। नाम एक अलग जानकारी वाले पत्र पर दर्ज थे। अब सवाल है कि अगर कभी भारत की चुनाव प्रक्रिया में मतपत्र की वापसी हुई, तो वोट देने वाली आम जनता के लिए ऐसी प्रक्रिया कितनी सुगम होगी। भारत में आम चुनावों में कागजी मतपत्र का आखिरी प्रयोग वर्ष 1999 में किया गया था। इसके बाद 2004 के चौदहवें लोकसभा चुनाव से देश की सभी 543 संसदीय सीटों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को अनिवार्य रूप से लागू करने के साथ मतपत्र से मतदान की प्रणाली को समाप्त कर दिया गया था।

# गैस कटर से खोली गयी लोहे की रहस्यमयी तिजोरी

- नींव खुदाई में मिली थी रहस्ययी तिजोरी
- निकले चांदी के सिक्के और लॉकेट
- प्रशासनिक अधिकारियों की रही मौजूदगी
- पारदर्शी तरीके से पूरी खोलने की प्रक्रिया

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
गढ़वा। रमना बाजार में प्राचीन शिव मंदिर के समीप मकान की नींव की खुदाई के दौरान मिली रहस्यमयी लोहे की तिजोरी का आश्चर्यकार राज खुल ही गया, जिसके अंदर से निकले खजाने ने सबको चौंका दिया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में गैस कटर से कटी इस तिजोरी से उर्दू अंकित चांदी के पुराने सिक्के और लॉकेट बरामद हुए हैं। सोमवार को अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर मिर्षा, एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, सीओ विकास पांडेय व थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक की मौजूदगी में पुलिस अभिरक्षा के बीच तिजोरी को गैस कटर से काटकर खोला गया। तिजोरी से उर्दू अंकित



आठ चांदी के पुराने सिक्के, एक चांदी का लॉकेट और 41 तांबे के सिक्के बरामद हुए। तिजोरी का लॉक मजबूत होने के कारण गैस कटर से तिजोरी को काटा गया। प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। तिजोरी खुलते ही उसके भीतर रखे पुराने सिक्कों को देखकर मौके पर मौजूद लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई। बरामद आठ चांदी के सिक्कों (सिरजाना) पर उर्दू में अंकन है। प्रशासनिक स्तर पर इन सिक्कों को वर्ष 1880 से 1920 के बीच का बताया जा रहा है। चांदी के सिक्कों व लॉकेट का कुल वजन 89.73

## 150 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच



**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
पाकुड़। पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को गर्भवती महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित मातृत्व को लेकर स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में प्रखंड क्षेत्र की

150 गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच की गई। इस दौरान डॉ. अभय सर्राफ ने महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच करते हुए रक्तचाप, वजन और हीमोग्लोबिन सहित अन्य आवश्यक जांच की। गर्भावस्था से संबंधित समस्याएं मिलने पर चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने जरूरी सलाह दी। महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और पौष्टिक व संतुलित आहार लेने के लिए जागरूक किया गया। चिकित्सकों ने आयुर्वेद एवं फोलिएक एसिड की गोलियों का नियमित सेवन करने, समय पर टीकाकरण कराने और संस्थागत प्रसव के महत्व की जानकारी दी। स्वास्थ्यकर्मियों ने कहा कि गर्भावस्था के दौरान किसी भी तरह की असामान्य परेशानी होने पर बिना देरी किए चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव तथा जच्चा-बच्चा के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। मौके पर डॉ. अभय सर्राफ, डॉ. मंजर आलम, प्रखंड लेखा प्रबंधक प्रभात दास, एएनएम बिना मुर्मू, जीएनएम, स्टॉफ नर्स, लैब तकनीशियन सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मों मौजूद रहे।

## बैठक में सभी लाभुकों को समय पर अनाज देने का निर्देश

राशन वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
पाकुड़। जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत भवन में शुक्रवार को राशन दुकानदारों की बैठक एमओ संजय कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उन्होंने सभी जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों को राशन वितरण में लापरवाही नहीं बरतने औरसरकारी दर पर निर्धारित मात्रा में अनाज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गोदाम से अनाज राशन दुकान पहुंचते ही दुकानदार मशीन में उसकी प्राप्ति दर्ज करें। अनाज प्राप्त होने के 24 घंटे बाद मशीन में इसकी प्राप्ति दर्ज नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह ग्रीन कार्डधारियों के बीच शत-प्रतिशत अनाज वितरण नहीं होने के



कारण आवंटन घट रहा है। इसलिए सभी दुकानदार लाभुकों का अंगूठा लगवाकर अनाज वितरण सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि अक्टूबर माह का नमक सभी राशन दुकानदारों को उपलब्ध करा दिया गया है। इसका शत-प्रतिशत वितरण करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा कार्ड में दर्ज परिवार के सभी सदस्यों का ई-केवाईसी कराने

और सभी राशन कार्डधारियों का मोबाइल नंबर कार्ड से जोड़ने की हिदायत दी गई। बैठक में खिलौसा साहा, प्रेमलाल साहा, राजेश चन्द्र साहा, मिहिर पंडित, ओमप्रकाश भगत, संतोषी स्वयं सहायता समूह की प्रतिनिधि, लखन प्रसाद भगत, बलराम साह, मोनिका हांसदा, गणेश मालतो सहित क्षेत्र के सभी राशन दुकानदार उपस्थित थे।

## जमानत किसी की, रिहा हुआ कोई और

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
बिहारशरीफ। बिहारशरीफ मंडल कारा में कैदी की पहचान और रिहाई प्रक्रिया में ऐसी चूक सामने आई है, जिसने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अदालत से जमानत एक बंदी को मिली, लेकिन जेल से रिहा दूसरा कैदी हो गया। आरोप है कि नाम और पिता के नाम में समानता के कारण यह गड़बड़ी हुई। हैरानी की बात यह रही कि 24 सितंबर को हुई इस चूक का पता जेल प्रशासन को करीब सात दिनों तक नहीं चला। एक अक्टूबर को रिपोर्ट तैयार होने के बाद मामला सामने आया। इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और जांच शुरू की गई। जेल सूत्रों के अनुसार, अस्थायी थाना कांड संख्या 203/26 और 201/26 के आरोपित सतीश चौहान उर्फ सतीश बिंद बिहारशरीफ मंडल कारा में बंद थे। इसी जेल में अस्थायी थाना कांड

संख्या 362/25 का आरोपित चंद्रदीप चौहान उर्फ चंद्रदीप बिंद भी बंद था। बताया जाता है कि सतीश चौहान के पिता का नाम भी चंद्रदीप है। आरोप है कि इसी नाम की समानता के कारण रिहाई के समय पहचान में गड़बड़ी हुई। नतीजा यह हुआ कि अदालत से जमानत पाने वाले सतीश की जगह दूसरा बंदी चंद्रदीप जेल से बाहर चला गया। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे गंभीर सवाल यह है कि रिहाई के बाद करीब एक सप्ताह तक गलती का पता क्यों नहीं चल सका। 24 सितंबर को बंदी को रिहा किया गया, लेकिन एक अक्टूबर को सहायक प्रवेश शाखा के कक्षपाल नवीश कुमार की रिपोर्ट तैयार होने के बाद गड़बड़ी सामने आई। तब पता चला कि जमानत पाने वाले सतीश चौहान जेल में ही बंद हैं, जबकि उनकी जगह दूसरा कैदी बाहर जा चुका है।

छापेमारी में तीन साइबर ठग धराये

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
जामताड़ा। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नारायणपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापेमारी कर तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से चार मोबाइल फोन और छह सिम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपितों से पूछताछ के बाद साइबर ठगों से जुड़े नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी गुरुवार को साइबर डीएसपी अमित रविदास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी अमित कुमार के नेतृत्व में साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल, पुअनि गुलशन कुमार सिंह तथा पुअनि हीरालाल महतो के साथ छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने नारायणपुर थाना क्षेत्र के मुरलीपहाड़ी से ईदगाह मोड़ जाने वाली पक्की सड़क के किनारे पानी टंकी के पास बसे झुंड में छापेमारी की। इस दौरान तीन संदिग्धों को साइबर अपराध करते हुए पकड़ा गया।

## हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

आरा। जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के धरहरा गांव में पुलिस ने मवेशियों के खटाल व दूध व्यवसाय की आड़ में चल रहे हेरोइन तस्करी का राजपाश किया है। पुलिस ने छापामारी कर एक किलो 350 ग्राम हेरोइन बरामद किया है। मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तीन मोबाइल, 2,756 रुपये नकद, एक मोटरसाइकिल, दो इलेक्ट्रॉनिक तराजू, तीन एटोएम कार्ड तथा आरोपितों के आधार और पैन कार्ड भी जब्त किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बहोरनपुर थाना क्षेत्र के बहोरनपुर गांव निवासी अशोक पांडेय और उर्पेंद्र राय के रूप में हुई है। इस मामले में बिहिया थाने के अपर थानाध्यक्ष रामकुमार के बयान पर दोनों आरोपितों के अलावा बिहिया थाना के तेहरा निवासी जितेंद्र नट, टुनटुन नट और शाहपुर निवासी दीपक धानुक समेत वाहन के मालिक के विरुद्ध प्रारम्भिकी कराई गई है। शुक्रवार को बिहिया थाना परिसर में प्रेसवार्ता में जगदीशपुर एसडीपीओ राहुल कुमार ने बताया कि गुरुवार की शाम पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी की सूचना मिली। सूचना का सत्यापन करने के बाद छापामारी दल का गठन किया गया।

## हथियार के बल पर झामुमो नेता के घर लूटपाट

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
देवघर। नगर थाना क्षेत्र के बेलबगान में गुरुवार देर रात नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने झामुमो नेता ओमकार वर्णवाल के घर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। घटना तकरीबन रात करीब डेढ़ बजे की है। परिवार के सभी सदस्य सोये थे। ओमकार वर्णवाल घर पर मौजूद नहीं थे। घर में उनकी पत्नी मंजू देवी, बेटा सम्राट शिवम और मां गिरजा देवी थीं। उसी दौरान चार अपराधी छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। सभी ने अपने चेहरे को छिपा रखा था। तीन अपराधी के हाथ में हथियार जबकि एक के हाथ में चाकू। घर के अंदर प्रवेश करते ही अपराधियों ने हथियार के बल पर परिवार के सदस्यों को बंधक बना लिया। उस दौरान परिवार के सदस्यों ने विरोध करना चाहा तो अपराधियों

## हथियार के बल पर झामुमो नेता के घर लूटपाट

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
देवघर। नगर थाना क्षेत्र के बेलबगान में गुरुवार देर रात नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने झामुमो नेता ओमकार वर्णवाल के घर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। घटना तकरीबन रात करीब डेढ़ बजे की है। परिवार के सभी सदस्य सोये थे। ओमकार वर्णवाल घर पर मौजूद नहीं थे। घर में उनकी पत्नी मंजू देवी, बेटा सम्राट शिवम और मां गिरजा देवी थीं। उसी दौरान चार अपराधी छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। सभी ने अपने चेहरे को छिपा रखा था। तीन अपराधी के हाथ में हथियार जबकि एक के हाथ में चाकू। घर के अंदर प्रवेश करते ही अपराधियों ने हथियार के बल पर परिवार के सदस्यों को बंधक बना लिया। उस दौरान परिवार के सदस्यों ने विरोध करना चाहा तो अपराधियों

## परिवार के सदस्यों को बनाया बंधक

ने ओमकार वर्णवाल की पत्नी मंजू देवी के हाथ में चाकू मारकर उन्हें घायल कर दिया। घर में घुसने के बाद अपराधियों सम्राट शिवम के कमराटी पर पिस्तौल सटा दिया- धमकी दी, हिलोगे तो गोली मार देंगे। इसके परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट कर उन्हें हथियार के बल पर अपने कब्जे में रखा। अपराधियों ने गेदरेज की चाबी की मांग की। चाबी नहीं होने की बात कहते ही अपराधी भड़क उठे और चाकू से वार कर दिया। जिससे मंजू देवी व ओमकार वर्णवाल की मां जखमी हो गई। इसके बाद अपराधियों ने राड से गोदरेज को तोड़ दिया।

तोड़ने के बाद गोदरेज में रखा लगभग दो लाख रुपये नकद, सोने का कंगन, मांगटीका सहित अन्य जेवरार निकाल लिया। इसके बाद अपराधियों ने मंजू देवी के गले से सोने का चेन, कान की बाली, अंगूठी व पायल खुलवा लिया। इसके बाद गिरिजा देवी के गले से चेन, कान बाली व पायल ले लिया। बाद में शिवम के गले से चांदी का चेन, ब्रासलेट भी उतरवा लिया। इतना ही नहीं, शिवम के पास से लगभग डेढ़ लाख रुपये कीमत का आइ-फोन भी ले लिया। शिवम ने अपराधियों ने मोबाइल लौटाने को कहा तो अपराधियों ने जाने के दौरान गाड़ी में मोबाइल छोड़ देने की बात कही। लूटपाट को अंजाम देने पहुंचे अपराधियों की उम्र 30 से 40 तक के होने का अनुमान पॉइंट परिवार के सदस्यों ने लगाया है।

## झारखंड आंदोलनकारियों ने की सरकार से ठोस पहल की मांग

45 आंदोलनकारियों को मिले प्रमाणपत्र ●मुख्यमंत्री तक मांगें पहुंचाने की अपील

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
दुमरिया। प्रखंड के छोलोगोड़ा स्थित तिलका मांझी मेमोरियल क्लब में शुक्रवार को झारखंड आंदोलनकारियों की बैठक सक्रिय सदस्य शिवधर मुर्मू उर्फ गुलदू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अलग झारखंड राज्य के गठन में आंदोलनकारियों के योगदान, उनके सम्मान और वर्तमान में सामने आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई। आंदोलनकारियों ने राज्य सरकार से उनकी लंबित मांगों के समाधान के लिए ठोस पहल करने की मांग की। बैठक में आंदोलनकारियों ने कहा कि झारखंड राज्य का गठन लंबे संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। अलग राज्य की मांग के दौरान कई आंदोलनकारियों को तत्कालीन बिहार में पुलिस दमन और यातनाएं झेलनी पड़ीं। कई लोगों ने संघर्ष में अपनी जान गंवाई, जबकि कुछ आंदोलनकारी आज भी कठिन परिस्थितियों में जीवन बिता रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित सम्मान और सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं। बैठक में बताया गया कि झारखंड सरकार ने आंदोलनकारियों की पहचान के लिए चिन्हितकरण



आयोग का गठन किया था। इसके तहत दुमरिया प्रखंड में अब तक 45 आंदोलनकारियों को प्रमाणपत्र दिए जा चुके हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि प्रमाणपत्र मिलने के बावजूद उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने सरकार से लंबित मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की। आंदोलनकारियों ने बताया कि अपनी

मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय विधायक से मुलाकात कर पहल करने का आग्रह किया गया है। इस संबंध में कुछ दिन पहले ज्ञापन भी सौंपा गया था। बैठक में परीक्षित मुर्मू, सावना हेन्ड्रम, कुंवार हेन्ड्रम, होपना हेन्ड्रम, राधानाथ महतो, वृध्वीनाथ महतो, मुंगरी कुंडुलना, रूबीकांत महतो सहित दर्जनों आंदोलनकारी उपस्थित थे।

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
पाकुड़। लिट्टीपाड़ा में झामुमो नेता दिनेश मुर्मू का शव मिलने के बाद भाजपा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बाबुधन मुर्मू उनके घर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर सात्वना दी और इस दुख की घड़ी में परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की पहचान और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की। उल्लेखनीय है कि दिनेश मुर्मू 30 सितंबर से लापता थे। उनका शव सुखबेड़ा गांव के समीप धान के खेत से बरामद किया गया था। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। बाबुधन मुर्मू ने मामले की गंभीरता को देखते हुए लिट्टीपाड़ा के अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी से संपर्क कर घटना की गहन छानबीन करने तथा सच्चाई सामने लाने का आग्रह किया। इस दौरान बाबुधन मुर्मू ने मतदाता

## परिजनों से मिले बाबुधन मुर्मू

सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर लिट्टीपाड़ा के अंचलाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में गरीब, जरूरतमंद और वंचित लोगों को किसी तरह की अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। दस्तावेजों की कमी या प्रक्रिया की जानकारी नहीं होने पर लोगों को उचित मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे और लोगों को बेवजह कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। इसके अलावा उन्होंने राजमहल के पूर्व सांसद स्वर्गीय सोम मरांडी की पत्नी से भी मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

## जलडेगा स्टेडियम निर्माण में अनियमितता का आरोप

खिलाड़ियों के भविष्य पर सवाल □लोगों ने उठायी जांच की मांग

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
जलडेगा। ग्रामीण खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करीब 83 लाख रुपये की लागत से पीएम श्री एएसएस प्लस टू हाई स्कूल जलडेगा के खेल मैदान को स्टेडियम के रूप में विकसित किया गया है। लेकिन लाखों की लागत से निर्माण के बाद भी खिलाड़ियों को सुविधायुक्त मैदान नहीं मिल सका। भवन प्रमंडल सिमडेगा द्वारा निर्मित स्टेडियम का मैदान वर्तमान में कंकर-पत्थर से भरा है। बरसात के दिनों में मैदान में पानी जमा होने से खेल गतिविधियां प्रभावित होती हैं। योजना के तहत खिलाड़ियों के लिए समतल और खेल योग्य मैदान विकसित करने के साथ गैलरी और चारदीवारी का निर्माण कराया गया।

मैदान में घास लगाने के लिए बीज भी डाले गए, लेकिन घास नहीं उगी। बाद में कुछ स्थानों पर घास लगाने का प्रयास किया गया, मगर पानी और रखरखाव के अभाव में वह भी सुख गई। ऐसे में लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद मैदान की स्थिति खिलाड़ियों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। स्टेडियम के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल जून 2025 में पहली बरसात के दौरान ही उठ गए थे। 19 जून को गैलरी का एक हिस्सा भरभरकर टूट गया था। घटना के बाद वरीय अधिकारी के निर्देश पर जांच टीम ने मौके का निरीक्षण किया था। इसके बाद जेसीबी से क्षतिग्रस्त हिस्से को तोड़कर दोबारा निर्माण कराया गया। पहली बरसात में ही गैलरी के

क्षतिग्रस्त होने की घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल कई सवाल सामने आये थे। ग्रामीणों का कहना है कि योजना का उद्देश्य गांव के खिलाड़ियों को बेहतर मंच देना था, लेकिन मौजूदा स्थिति में मैदान ही खेल के अनुकूल नहीं है। उनका आरोप है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने मैदान को समतल कर कंकर-पत्थर हटाने, जलनिकासी की व्यवस्था करने और गुणवत्तापूर्ण घास लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि 83 लाख रुपये खर्च होने के बाद भी यदि खिलाड़ियों को खेल योग्य मैदान नहीं मिलता है तो योजना के उद्देश्य और सरकारी राशि के उपयोग पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

## पुलिस ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान



**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**  
पाकुड़। जिले के पाकुड़िया थाना क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर शुक्रवार शाम पुलिस ने थाना के सामने, सिंदो-कान्हु चौक सहित कई स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। एएसआई चंद्रानंद ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने दोपहिया वाहनों के कागजात, डिककी और हेलमेट की जांच की। इस दौरान एएसआई चंद्रानंद ठाकुर ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट पहनकर ही दोपहिया वाहन चलाने और निर्धारित क्षमता से अधिक

सवारी नहीं बैठाने की हिदायत दी। जांच के दौरान जिन चालकों के पास वाहन चलाने का लाइसेंस, बीमा और पंजीकरण प्रमाणपत्र जैसे आवश्यक कागजात नहीं मिले, उन्हें कागजात प्रस्तुत करने के बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। साथ ही क्षेत्र के लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित वाहन चलाने की अपील की गई।



## संक्षिप्त

## समाचार

## पीईआरएम से सरपेंड होने के बाद टीसीएस का आया रि एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने टीसीएस, कॉर्गिनेजेट, इन्फोसिस, विप्रो, एचसीएल,



कैपजेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट और एडोब समेत आठ आईटी कंपनियों को ‘परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन’ प्रोग्राम से सरपेंड कर दिया है। इस कार्यक्रम के तहत कंपनियां एच-1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए ‘ग्रीन कार्ड’ को आवेदन कर सकती हैं। इस कड़े अमेरिकी काम से भारतीय आईटी सेक्टर के लिए वर्कफोर्स मैनेजमेंट और एम्प्लॉयी रिटेंशन का संकट गहरा गया है। साथ ही अमेरिकी बाजार में इन कंपनियों के संचालन और मुनाफे पर बड़ा दबाव बन गया है। इस बीच टीसीएस ने अमेरिका के इस कदम पर प्रतिक्रिया जताई है। कंपनी का कहना है कि हमने अमेरिका सरकार के परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के अनार्डसमेंट को देखा है। टीसीएस डिपार्टमेंट ऑफ लेबर के किसी भी निर्देश का पालन करेगी। अमेरिका में हमारी वर्कफोर्स स्ट्रैटेजी लोकल टैलेंट को हायर करने पर आधारित है, जिसे एक मजबूत कैपस रिक्तुमेंट मॉडल का सपोर्ट मिला है। टाटा ग्रुप को आईटी कंपनी ने कहा कि हम अगले 5 साल में अमेरिका में और 15,000 लोगों को हायर करेंगे, ताकि हमारे लोकल वर्कफोर्स को और बढ़ाया जा सके। पिछले दो साल में हमारे एप्लीकेशन सिंगल डिजिट में थे और इसलिए हमें उम्मीद नहीं है कि प्रोग्राम के सरपेंशन से अमेरिका सरकार पर हमारी वर्कफोर्स स्ट्रैटेजी और कस्टमर एंगेजमेंट पर कोई असर पड़ेगा। इस बीच टीसीएस के शेयरों में आज काफी तेजी आई है। बीएसई पर कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 2,075.25 रुपये पर बंद हुआ था और आज 2,088.85 रुपये पर खुला।

## 8वां वेतन आयोग: फिटमेंट फैक्टर 3.833 या 4.0 से कर्मचारियों की सैलरी में आगा अंतर

नई दिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग की बेंगलुरु में हुई बैठक खत्म हो गई है। अब अगली बैठक



22 अक्टूबर से मुंबई में शुरू होगी। आयोग अब तक चंडीगढ़, जयपुर, पृद्वेश्वरी और दिल्ली में बैठकें कर चुका है। इन बैठकों में मुख्य चर्चा फिटमेंट फैक्टर, सैलरी रिवीजन और पेंशन सुधार पर हो रही है। अलग-अलग कर्मचारी यूनियनों और संगठनों ने अपने मेमोरेंडम में इन मुद्दों पर सुझाव दिए हैं। अब केंद्रीय कर्मचारियों के मन में सबसे बड़ा सवाल है कि 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर कितना होगा सबसे पहले यह समझें कि फिटमेंट फैक्टर आखिर ऐसी क्या चीज है, जिसको लेकर इतनी चर्चा हो रही है। बता दें फिटमेंट फैक्टर एक गुणांक है, जिससे मौजूदा बेसिक पे और पेंशन को बढ़ाया जाता है। फिटमेंट फैक्टर सिर्फ मिनिमम सैलरी तय नहीं करता। इसका असर पेंशन, बेसिक पे और पूरी सैलरी स्ट्रक्चर पर पड़ता है। इसलिए कर्मचारियों, पेंशनरो और स्टेकहोल्डर्स के लिए यह बड़ा मुद्दा बना हुआ है। भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ ने 4 फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। जबकि, नेशनल काउंसिल और ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन ने 3.833 की मांग की है। लेवल-1 कर्मचारी की बेसिक पे पर अपार गणना करें, तो 3.833 और 4 के बीच करीब 3,006 रुपये प्रति माह का अंतर बनता है। सालाना आधार पर यह करीब 36,072 रुपये होता है। यह सिर्फ बेसिक पे का फर्क है।

# 1550 महंगा हुआ सोना, चांदी में 3200 की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज फिर तेजी आई है। कमजोर अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में कमी ने बुलियन की अपील बढ़ा दी है। साथ ही मार्केट पार्टिसिपेंट्स महंगाई की लगातार चिंताओं और फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों के ट्रेंड का अंदाजा लगाने में व्यस्त हैं। एमएस1एक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में करीब 1550 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई जबकि चांदी 3200 रुपये प्रति किलो से अधिक उछल गई। एमएस1एक्स पर 4 दिसंबर को डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 149610 रुपये पर बंद हुई थी और आज 150851 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1567 रुपये यानी 1.05 फीसदी के साथ 151177 रुपये तक उछली। इसी तरह 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी भी गुरुवार को 221233 रुपये पर बंद हुई थी और आज 224096 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 3267 रुपये की तेजी के साथ 224500 रुपये तक उछली। फिजिकल मार्केट में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट गोल्ड 1140 रुपये की तेजी के साथ 150710 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 22 कैरेट गोल्ड भी 1050 रुपये की तेजी के साथ 138150 रुपये और 18 कैरेट गोल्ड

# देश में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था में इस समय एनर्जी की मांग लगातार बढ़ रही है। बिजली यानी कुछ ज्यादा ही बढ़ रही है। इस समय देश में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। हेमुरुज संकट के इस समय में जिस तरह से नेचुरल गैस और पेट्रोलियम पदार्थ की कीमतें बढ़ रही हैं सप्लाई घटी है, उसमें कोयले से ज्यादा से ज्यादा बिजली पैदा करने पर जोर है। लेकिन थर्मल पावर प्लांट में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल लेवल पर पहुंच गया है। तभी तो स्पाट मार्केट में बिजली की कीमत दूनी तक चली गई है।

## एक्सचेंज में कीमत हो गई दूनी

इस साल सितंबर महीने के दौरान स्पाट मार्केट में बिजली के दाम दूने से भी ज्यादा बढ़े हैं। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज या दृध्द्व में इस महीने बिजली की औसत कीमत 7.30 रुपये तक चली गई। यह पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 105 फीसदी ज्यादा है। मतलब कि जिन राज्यों या डिस्कॉम के पास बिजली खरीद का पर्याप्त पावर पर्वचेंज एग्रीमेंट नहीं है, उन्हें स्पाट मार्केट से बिजली खरीद कर सप्लाई करने में दूरी राशि खर्च करनी पड़ रही है। स्पाट मार्केट में बिजली बेचने वाली कंपनियां इस समय नेचुरल गैस के बदले कोयले से ज्यादा बिजली बना रही हैं। इस बीच, खबर आई है कि

थर्मल पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल लेवल पर पहुंच गया है। सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के अनुसार बीते सोमवार को यह स्तर 90 तक पहुंच



गया था। मतलब कि सामान्य दिनों में कोयले का जितना स्टॉक रहता है, उसके मुकाबले महज 33 फीसदी कोयला ही उपलब्ध है।तभी तो अक्टूबर के शुरुआती सप्ताह के दौरान कोयले का डिस्पैच बढ़ा है। इस समय रोज का पावर सेक्टर डिस्पैच 1.70 मिलियन टन से भी ज्यादा का हो गया है। देश के अधिकतर राज्यों की बिजली वितरण कंपनियां पहले से ही घाटे में चल रही हैं। ऐसे में एक्सचेंज से स्पाट बिजली 7.3 रुपये प्रति यूनिट की महंगी दर पर खरीद कर वे सप्लाई करेंगे तो उनका घाटा और बढ़ेगा।

## सबसे बड़ा सबक यही, पलॉप बिजनेस के बाद 30 सेकंड वाला काम, ऐसा हिट हुआ आइडिया कि अब 50 लाख का टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी ऐसे दोस्तों की है जिन्होंने एक पलॉप बिजनेस से सबक लेकर दोबारा सफल स्टार्टअप खड़ा किया। इनके नाम हैं- मनीष भल्ला और अंकित लांबा। ये दिल्ली के रहने वाले हैं। इनके पास यह बिजनेस आइडिया आज के युवाओं की



लाइफस्टाइल को देखकर आया। ऑफिस के बिजी शेड्यूल में जंक फूड या स्नैक्स इनकी मजबूरी होते हैं। इसका सॉल्यूशन निकालते हुए दोस्तों ने गुरुग्राम में हेल्दी सैलेड वेंडिंग मशीन ‘ग्रीन गेन्स’ की शुरुआत की। सिर्फ 30 सेकंड में ताजा पोस्टिक वेज या नॉन-वेज सैलेड उपलब्ध कराने वाला यह स्टार्टअप आज कॉर्पोरेट जगत में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। आइए, यहां इन दोस्तों की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

## ऐसे आया आइडिया

दिल्ली के रहने वाले अंकित लांबा और मनीष भल्ला बचपन के दोस्त हैं। उन्होंने साल 2024 में एक कैफे के जरिए फूड एंड बेवरेज इंडस्ट्रीज में कदम रखा। हालांकि, बाद में उस बिजनेस को बंद करना पड़ा। फिर 2025 के आसपास जब मनीष और अंकित ने अपनी फिटनेस पर ध्यान देना शुरू किया तो उन्हें महसूस हुआ कि बाहर साफ-सुथरा और पोष्टिक खाना मिलना बेहद मुश्किल और महंगा है।

## सामने आई ये चुनौतियां

मार्च 2025 में दोस्तों ने अपनी बचत और परिवार की मदद से इस स्टार्टअप की नींव रखी। पूंजी का 40-50 हिस्सा वेंडिंग मशीनों को आयात करने में लगाया। बाकी हिस्सा मेन्यू आरएंडडी, ब्रांडिंग और किचन सेटअप में खर्च किया। शुरुआत में सबसे बड़ी चुनौती पैकेजिंग का सही आकार तय करना और लोगों की इस मानसिकता को बदलना था कि वेंडिंग मशीनें सिर्फ चिप्स या कोल्ड ड्रिंक के लिए नहीं होती हैं। इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस की मदद से उन्होंने ग्राहकों को कोल्ड-चेन मैनेजमेंट और डेली स्टॉकिंग प्रोसेस के बारे में जागरूक किया।

## इस तरह काम करता है स्टार्टअप

नवंबर 2025 में गुरुग्राम में लॉन्च हुई ‘ग्रीन गेन्स’ अभी डीएलएफ साइबर हब और डीएलएफ इन्फिनिटी टावर्स जैसे प्रमुख स्थानों पर 7 वेंडिंग मशीनों के साथ काम कर रही है। इसके काम करने का तरीका बेहद सरल है। ग्राहक स्क्रीन पर टैप करके अपनी पसंद का वेज या नॉन-वेज सैलेड चुनते हैं। पेमेंट करने के मात्र 30 सेकंड के भीतर वेंडिंग मशीन से उनका सैलेड बाहर आ जाता है।

## जेफरीज को भरोसा, 46 प्रतिशत बढ़ेगा कल्याण ज्वैलर्स का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ महीनों के दौरान शेयर बाजार में जहां एक तरह उठा-पटक का दौर जारी है तो वहीं दूसरी तरफ से कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई के डाटा के अनुसार पिछले 3 महीने में इस स्टॉक का दाम करीब 23.95 प्रतिशत यानी करीब 24 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। इस स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस जेफरीज बुलिश है। बता दें, सोना और चांदी के ज्वेलरी के कारोबार में है। ब्रोकरेज हाउस जेफरीज के अनुसार कंपनी के शेयरों की कीमतों में 46 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल सकती है। जेफरीज ने कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों के लिए 830 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। जेफरीज ने कंपनी के हायरप लोकल विस्तार की तारीफ की है।

850 रुपये ऊपर 113030 रुपये पर पहुंच गया। चांदी 235000 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है। टरनेशनल लेवल पर सोना बुधवार को दो महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। आज स्पाट गोल्ड 0.3

इंटरनेशनल ब्रोकरेज ने कहा है कि कंपनी अक्रामक कैपिटल आवंटन की जगह



नपा-तुला कदम उठा रही है। बीएसई में आज शुक्रवार को कल्याण ज्वैलर्स के शेयर 555.25 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 560.40 रुपये के स्तर पर भी पहुंचने में सफल रहा। लेकिन 10.41 मिनट पर स्टॉक की वैल्यू 0.50 प्रतिशत की गिरावट के बाद 551.25 रुपये के स्तर

प्रतिशत बढ़कर 4,147.77 प्रति औंस हो गया। दिसंबर डिलीवरी के लिए यूएस गोल्ड पय्चर्स 0.4 प्रतिशत बढ़कर 4,172.70 पर पहुंच गया। स्पाट सिल्वर भी 0.5 प्रतिशत बढ़कर 59.62 पर पहुंच गया।

पर आ गई। बीते 6 महीने के दौरान इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 23.79 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों का दाम 14.26 प्रतिशत बढ़ा है। बीते एक साल में सेंसेक्स इंडेक्स में 11.88 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। बता दें, दो साल में इस ज्वेलरी बेचने वाली कंपनी के शेयरों का दाम 23 प्रतिशत गिरा है। 3 साल में कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों का दाम 119 प्रतिशत और 5 साल में स्टॉक 608 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, 5 साल में सेंसेक्स इंडेक्स में 20.52 प्रतिश की तेजी दर्ज की गई है। पिछले साल नवंबर के महीने में कंपनी के शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। कंपनी ने एक शेयर पर 2.50 रुपये का डिविडेंड दिया था। 1.50 रुपये का डिविडेंड दिया था।

डॉलर की तेजी थमने से अमेरिकन करेंसी में सोना दूसरी करेंसी रखने वाले खरीदारों के लिए ज्यादा सस्ता हो गया। इस बीच, बेंचमार्क 10-साल की यूएस ट्रेजरी यील्ड में लगातार दूसरे सेशन में गिरावट आई।

## बिजली की मांग रिकॉर्ड बढ़ रही है

देश में अभी त्योहारी मौसम की शुरुआत को गई है। आने वाले त्योहार, मसलन दशहरा और दिवाली के लिए प्रोडक्शन पूरी तेजी से चल रहा है। इसलिए बिजली की पीक डिमांड 269 गीगावाट्स तक पहुंच गई है। इस बीच देश के सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी के पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक गिर कर 5.2 मिलियन टन ही रह गया है। मतलब कि सड़के अधिकतर प्लांट में महज 7 दिन का ही कोयला उपलब्ध है। इस साल अप्रैल में एनटीपीसी के पास 18.7 मिलियन टन कोयले का स्टॉक था। इतने कोयले से 25 दिनों तक बिजली बनाने में कोई बाधा नहीं आएगी। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी के देश के विभिन्न हिस्सों में 50 थर्मल पावर प्लांट चल रहे हैं।

## कोयले की कमी नहीं होगी

हालांकि, कोयला मंत्रालय ने कहा है कि किसी भी थर्मल पावर प्लांट को कोयले की कमी नहीं होगी। बीते सोमवार को मंत्रालय की तरफ से एक बयान जारी हुआ था। उसमें बताया गया था कि सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड ने पावर प्लांट्स को कोयल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कई कद उठाए हैं।

# कॉपर महंगा होने से गीजर, कूलर और पंखे के दाम बढ़े, शुरू किया एल्युमीनियम का यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। गीजर, कूलर और पंखों का दाम 50 से 60 प्रतिशत बढ़ गया है। 2025 में जो गीजर 4 हजार रुपये का था, वो अब 5500 रुपये में बिक रहा है। इसी तरह कूलर का दाम 3 हजार से बढ़कर 4 हजार रुपये और पंखे का दाम 1500 से बढ़कर 2000 रुपये हो गया है।

कमला मार्केट वेलफेयर असोसिएशन के वाइस प्रेजिडेंट रोहित सेठी ने बताया कि सालभर में कॉपर में 60 प्रतिशत, स्टील में 40 प्रतिशत और प्लास्टिक में 100 प्रतिशत की तेजी आई है। कॉपर महंगा होने की वजह से निर्माताओं ने एल्युमीनियम का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ग्राहक ज्यादा पैसा चुकाने की स्थिति में नहीं हैं।

कॉपर और एल्युमीनियम दोनों ही बिजली के उपकरणों और वायरिंग में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली धातुएं हैं। दोनों के बीच मुख्य अंतर उनकी बिजली चालकता (कंडक्टिविटी), कीमत, वजन और टिकाऊपन में होता है। रोहित ने बताया कि वैश्विक बाजार में कॉपर का भाव 14 हजार डॉलर प्रति टन से ऊपर पहुंच गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, निर्माण और कृषि समेत देखी उद्योग पर कॉपर की बढ़ी कीमतों का असर दिख रहा है।

दरियागंज ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रेजिडेंट राजीव अग्रवाल ने बताया कि 1 अक्टूबर से स्टैट 8 से 10 प्रतिशत रेट बढ़ गए हैं। दिल्ली में बहुत से डीलर्स

# यूपीआई को रखें फ्री, सरकार को चार्ज लगाने का फैसला लेना चाहिए वापस, थिंक टैंक ने किया आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार को यूपीआई पर प्रस्तावित चार्ज वापस ले लेना चाहिए। ये 15 अक्टूबर से लागू होने वाले हैं। इकोनॉमिक थिंक टैंक ने गुरुवार को यह बात कही है। उसके मुताबिक, मर्चेंट्स (व्यापारियों) और ग्राहकों के लिए डिजिटल पेमेंट सिस्टम को फ्री रखा जाना चाहिए। जीटीआरआई ने आगाह किया कि मर्चेंट्स से चार्ज लेने से कीमतें बढ़ सकती हैं। इससे छोटे व्यवसायों की कमाई कम होने की आशंका है। चरों की मांग कमजोर हो सकती है।

यूपीआई का घट जाएगा कीमत वाला फायदा ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा कि इन चार्ज से कार्ड के मुकाबले का कीमत वाला फायदा भी कम हो जाएगा। इससे अमेरिकी कार्ड इस्तेमाल करते हैं तो बैंकों की कैंश संभालने और ऋरूव ब्रांच चलाने की लागत बचती है। पेमेंट

के जरिए असल ऑपरेटिंग कॉस्ट का पता लगाकर उसे पब्लिश किया जाना चाहिए। फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा, ‘सरकार को 15 अक्टूबर से लागू होने वाले प्रस्तावित चार्ज वापस ले लेने चाहिए। मर्चेंट्स और ग्राहकों के लिए फ्री रखना चाहिए।’

यूपीआई पेमेंट की सुविधा लगभग छह साल तक पूरी तरह से फ्री रही। इसके बाद सरकार ने 15 अक्टूबर से इस प्लेटफॉर्म के जरिए मर्चेंट्स को 2,000 रुपये से ज्यादा के ट्रांसफर पर 0.4 फीसदी फीस लगाने का फैसला किया है। जबकि आम लोगों के बीच होने वाले ट्रांजैक्शन और छोटे पेमेंट को किसी भी चार्ज से अलग रखा गया है। श्रीवास्तव ने कहा कि जब ग्राहक यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं तो बैंकों की कैंश संभालने और ऋरूव ब्रांच चलाने की लागत बचती है। पेमेंट

ऐप्स को ग्राहकों के खर्च का डेटा मिलता है। 55 करोड़ से ज्यादा भारतीयों वाले बाजार में लोन, इश्योर्स और म्यूचुअल फंड बेचने के मौके मिलते हैं। वह बोले, ‘ये फायदे की ऑपरेटिंग कॉस्ट को शेयर करने के पक्ष में तर्क देते हैं। अगर ये संस्थाएं सिस्टम को फंड करती हैं तो फ्री बना रह सकता है और कार्ड के मुकाबले अपना फायदा बनाए रख सकता है। मर्चेंट्स से चार्ज लेने से वह फायदा कम हो जाता है और प्रतिस्पर्धी पेमेंट नेटवर्क के लिए कमर्शियल मौके बनते हैं।’ उन्होंने आगे कहा कि 80 फीसदी से ज्यादा यूपीआई ट्रांजैक्शन संभालते हैं। अगर फीस-शेयरिंग व्यवस्था में ऐसा प्रावधान हो तो मर्चेंट फीस का हिस्सा कमा सकते हैं। श्रीवास्तव ने कहा, ‘मार्केट में उनके दबदबे से उन्हें ऐसी कमाई का बड़ा संभावित आधार मिल सकता है।’

# 221 रुपये पर लिस्ट हुआ आईपीओ, पहले दिन ही निवेशकों को हो गया प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्मे इंडिया इंडस्ट्रीज

लिमिटेड ने लिस्टिंग के दिन निवेशकों को खुश कर दिया है। आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई एसएमई में 12.76 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 221 रुपये पर हुई है। जोकि प्राइस बैंड की तुलना में 25 रुपये प्रति शेयर अधिक है। बता दें, कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 196 रुपये प्रति शेयर था। यह आईपीओ 30 सितंबर से 6 अक्टूबर तक खुला हुआ था। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों की कीमतों में और तेजी देखने को मिली है। जिसकी वजह से स्टॉक का दाम 230 रुपये के स्तर को भी क्रॉस कर गया। कंपनी के आईपीओ का साइज 121.69 करोड़ रुपये था। आईपीओ में फ्रेश इश्यू आईपीओ और ऑफर फार सेल दोनों शामिल था। ऑफर फार सेल के जरिए कंपनी के मौजूदा निवेशक 15.71 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री किए हैं। वहीं, फ्रेश इश्यू के जरिए कुल 54.07 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं।

600 शेयरों को बनाया गया था एक लॉट: कंपनी ने कुल 600 शेयरों का एक लॉट बनाया था।

किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम दो लॉट



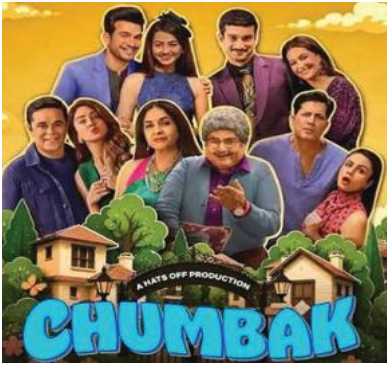
पर एक साथ दांव लगाना था। जिसकी वजह से मिनिमम इनवेस्टमेंट 235200 रुपये था। बता दें, आईपीओ के लिए हेम सिक्क्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया है। वहीं, विश्वशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

एक्मे इंडिया इंडस्ट्रीज के आईपीओ को 3 दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान 124.23 गुना बोलियां मिली थी। रिटेल कैटेगरी में आईपीओ को 85.50 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, क्यूआईबी में आईपीओ को 137 गुना और एनआईआई में 196 गुना सब्सक्राइब किया गया है।



## संदीपा धर ने आतिश कपाड़िया को दिया कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय

मुंबई नेटपिलक्स की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के-फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं। शो का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, एक दिन मुझे चुंबक के निर्देशक आतिश कपाड़िया का फोन आया और उन्होंने बताया कि वे नेटपिलक्स और जेडी के साथ मिलकर एक नया शो बना रहे हैं। ऐसे में उन्होंने मुझे इसके लिए टेस्ट देने को कहा। उनकी बात सुनकर पहले तो मैं हैरान रह गई कि कॉमेडी और मैं ? क्योंकि मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की थी। लेकिन उनकी बात सुनकर मैंने हामी भर दी। संदीपा ने आगे बताया, इसके बाद जब मेरी मुलाकात आतिश कपाड़िया से हुई तो उन्होंने जिस अंदाज में मुझे पूरी कहानी सुनाई, वो उससे भी ज्यादा मजेदार था। उन्होंने जिस तरह हर किरदार को खुद निभाकर दिखाया, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं कोई नाटक देख रही हूँ। उसी समय मैंने तय कर लिया कि मुझे इस शो का हिस्सा बनना ही है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार इंसान है। उसे अपने एक्शन से ही कॉमेडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का खयाल भी रखना था कि उसके एक्शन बनावटी न लगें। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। संदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यहीं नहीं किरण के रूप में उनका संतुलित और सहज अभिनय शो की खासियत बनकर उभरा है और दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।



## ‘हनुमान अंश’ पर बोले कुणाल खेमू

अभिनेता-निर्देशक कुणाल खेमू की फिल्म ‘वाइब’ का प्रदर्शन सिनेमाघरों में संतोषजनक नहीं रहा। एक बातचीत के दौरान एक्टर ने ‘पैन-इंडिया’ टैग के बारे में बात की। इसके साथ ही ‘हनुमान अंश’ के बारे में भी काफी कुछ कहा। कुणाल खेमू ने बातचीत में विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित ‘हनुमान अंश’ पर भी चर्चा की। महज 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। इस पर एक्टर ने कहा, ‘मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ अखिल भारतीय फिल्म है, यह एक अखिल अंतरराष्ट्रीय फिल्म बन गई है। दुनिया भर में हर कोई इस फिल्म को देख रहा है।’ उन्होंने आगे अपनी बात को समझाते हुए कहा कि किसी फिल्म को ‘पैन-इंडिया’ बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। उनके अनुसार, यह टैग काफी हद तक एक व्यापारिक शब्द है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि फिल्म अलग-अलग क्षेत्रों में कैसा प्रदर्शन करती है। आगे अपनी बातचीत में कुणाल ने कहा, ‘यही हमें उम्मीद देता है। एक कलाकार का सफर कई बार दिल टूटने, आश्चर्यों और चुनौतियों से भरा होता है। इसलिए, अंत में यह सब देखना वाकई दिल को छूने वाला, उत्साहवर्धक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। कुछ फिल्मों ऐसी होती हैं जो पूरी तरह से कहानी पर आधारित होती हैं और दर्शकों को पसंद आती हैं, और यही बात बहुत मायने रखती है। वे तथ्यांकित मानदंडों या सफल फिल्म बनाने के किसी तय फॉर्मूले से निर्देशित नहीं होती।



## विजय देवरकोंडा सेट पर बेहद समर्पित रहते हैं उनसे बहुत कुछ सीखती हूं

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म ‘रणबाली’ में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे। बुधवार को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ‘आस्क मी एनीथिंग’ सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रशंसक ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर ‘एनिमल’ फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, ‘हाय मैम, रणबाली के सेट पर विजय सर के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?’ इसके जवाब में रश्मिका ने कहा, ‘हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूं तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को

भी मिलता है।’ इससे पहले ‘रणबाली’ के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी मां के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘जब मैं ‘रणबाली’ लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोटे-बड़े विवरण ने मुझे यादों में पहुंचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी मां का नाम दिया।’ उन्होंने आगे कहा, ‘उसके हर भाव और अनुभव को लिखते समय मैंने पूरा ध्यान रखा कि वह ऐसी महिला बने, जो आज की महिलाओं को भी प्रेरित कर सके, भले ही वह किसी दूसरे दौर की पात्र हो।’ इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ‘रणबाली’ की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, ‘130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।’



## रावी गुप्ता ने बताया कैसे बदल गई टीवी इंडस्ट्री

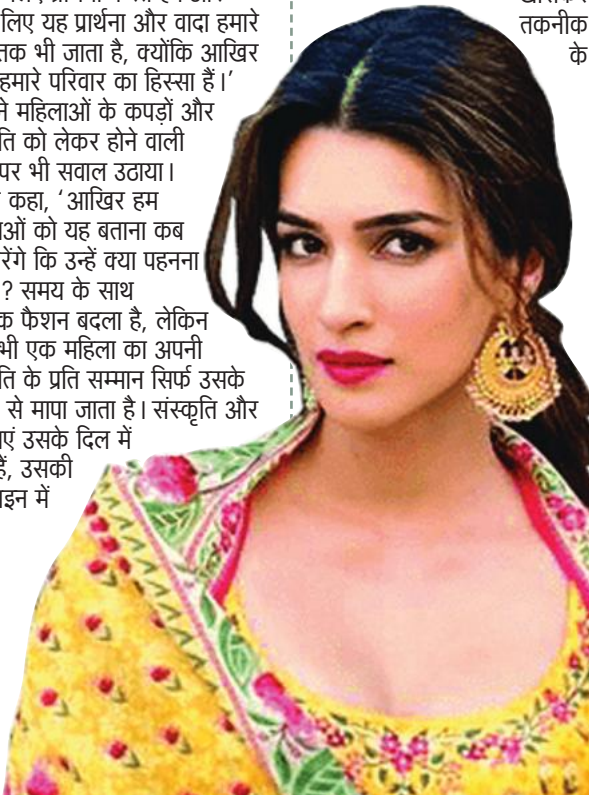
अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ के दूसरे सीजन में ‘दामिनी’ (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। उन्होंने आईएनएस के साथ बातचीत में कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, ‘इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के

मामले में। अगर मैं ‘क्योंकि सास भी बहू की तुलना-2’ की तुलना पहले शो से करूं, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है।’ अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, ‘मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियां हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।’ अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, ‘पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते थे, जैसे कि उनमें कुछ अच्छा है ही नहीं और उनकी हर चीज को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पॉजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘एक समय था जब डेली सोप को लेकर सोच बन गई थी कि महिलाओं को हमेशा दबा हुआ दिखाया जाता था। उन्हें तभी अच्छा माना जाता था, जब वह परिवार के लिए कुर्बानी दें।’

## विज्ञापन विवाद पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बेहद लोकप्रिय टॉक शो और पॉडकास्ट ‘व्हाट वीमेन वॉंट’ का सीजन 6 जल्द शुरू होने वाला है। इस सीजन में अली फजल, नेहा कक्कड़, महेश कपूर, भावना पांडे, मिकी कॉन्ट्रेक्टर, पंकज त्रिपाठी, कृति सेनन और मीरा राजपूत समेत कई सितारे नजर आएंगे। अब हाल ही में शो का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें देखने को मिला कि कृति अभिनेत्री के साथ रक्षाबंधन विज्ञापन विवाद पर खुलकर बात करते हुए नजर आती हैं। करीना से बात करते हुए कृति ने कहा, ‘मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मेरी चोली प्राइम टाइम न्यूज में छह लोगों की पैनल चर्चा का मुद्दा बन गई थी।’ इस पर करीना ने कहा, ‘मुझे पता है।’ शो के आखिर में जब कृति से पूछा गया कि महिलाएं वास्तव में क्या चाहती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, ‘जन न किया जाए और लोग अपने काम से काम रखें।’ बाद में कृति ने इंस्टाग्राम पर इस विवाद को लेकर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि त्योहारों की असली भावना कपड़ों में नहीं, बल्कि उनसे जुड़े रिश्तों और परंपराओं में होती है। उन्होंने लिखा था, ‘त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं के अर्थ में होती है, जिन्हें आप अपने दिल में रखते हैं। रक्षाबंधन सुरक्षा के रिश्ते का

प्रतीक है।’ कृति ने आगे लिखा, ‘मेरी बहन और मैं एक-दूसरे को राखी बांधते हैं। हम जानते हैं कि हम एक-दूसरे की उल्टी ही रक्षा कर सकते हैं, जितनी एक भाई कर सकता है। हम एक-दूसरे की सेहत, खुशी और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करते हैं। और हमारे लिए यह प्रार्थना और वादा हमारे कुत्तों तक भी जाता है, क्योंकि आखिर वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।’ कृति ने महिलाओं के कपड़ों और संस्कृति को लेकर होने वाली बहस पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ‘आखिर हम महिलाओं को यह बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के साथ एथनिक फैशन बदला है, लेकिन आज भी एक महिला का अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान सिर्फ उसके कपड़ों से मापा जाता है। संस्कृति और परंपराएं उसके दिल में होती हैं, उसकी नेकलाइन में नहीं।’



## फेम फ्रीडा पिंटो ने दी करियर बदलने की सलाह, हरलीन सेठी ने सुनाया किस्सा

हरलीन सेठी के एक्टिंग करियर की शुरुआत डांस से हुई। वह डांस करती थीं और सिखाती भी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात ‘स्लमडॉग मिलेनियर’ फेम अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो से हुई। फ्रीडा ने हरलीन से डांस की कुछ पर्सनल वलासेस ली थीं। इसी दौरान उन्होंने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा। फ्रीडा उस वक्त फिल्म ‘डैजर्ट डॉसर्स’ की तैयारी कर रही थीं। उन्हें अपने बॉडी मूवमेंट और परफॉर्मेंस पर काम करना था। इसके लिए उन्होंने हरलीन से ट्रेनिंग ली। बातचीत में हरलीन ने बताया, ‘जब मैं डांस इंस्ट्रक्टर थी और डांस सीखती और सिखाती थी, तब फ्रीडा पिंटो ने मेरे साथ कुछ वलासेस की थीं। वह डांस और परफॉर्मेंस सीखना चाहती थीं। उन्हें अपनी बॉडी

में थोड़ी एजिलिटी लानी थी। वह फिल्म ‘डैजर्ट डॉसर्स’ करने जा रही थीं। इसलिए उन्होंने मेरे साथ पर्सनल ट्रेनिंग ली। हमने उनकी बॉडी मूवमेंट और फ्लूइडिटी पर काम किया।’ फ्रीडा की बात आज भी याद है इसी दौरान फ्रीडा ने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा। हरलीन के लिए यह बात खास थी, क्योंकि उस वक्त उन्होंने एक्टिंग को लेकर कोई प्लान नहीं बनाया था। हरलीन ने कहा, ‘फ्रीडा पिंटो उन पहले लोगों में से थीं, जिन्होंने मुझसे कहा कि तुम एक्टिंग क्यों नहीं करती? जब वह मुझसे डांस सीखती थीं, तो मैं उन्हें परफॉर्म करके दिखाती थी कि ऐसे करना है, ये करो। इसी वजह से हमारी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी। वह और उनकी बहन शायना बहुत स्वीट हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूँ। हम साथ में काम किया करते थे।’

मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी हरलीन उस समय एक्टिंग के बजाय डायरेक्शन में जाना चाहती थीं। उन्होंने बताया, ‘मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी। मैंने एडवरटाइजिंग में स्पेशलाइज किया था। मुझे हमेशा से पता था कि मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। लेकिन बचपन से यह तय नहीं था कि आखिर करना क्या है। फिर मुझे लगा कि शायद मैं डायरेक्शन करूंगी। डायरेक्टर एक्टरों का कैप्टन होता है। तो मैंने सोचा कि मैं वहीं से अपनी जर्नी शुरू करती हूँ। फिर मैंने बहुत सारी एड फिल्में करना शुरू कीं। वहां से मेरी जर्नी एक्चुअली शुरू हुई। बिहाइंड द कैमरा।’

### इन प्रोजेक्ट्स में दिखीं हरलीन

बता दें कि करीब 13 साल के एक्टिंग सफर में हरलीन ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’, ‘कोहवा’,

‘सुल्तान ऑफ दिल्ली’, ‘बी हैप्पी’ और ‘शक : ट्रस्ट नो वन’ जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।



संक्षिप्त समाचार

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को झटका बाहर हुए चैपमैन और फॉल्वस

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड को अपने घर में भारत के खिलाफ 22 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सीरीज से पहले कीवी टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। मार्क चैपमैन और जैक फॉल्वस चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। चैपमैन को जांघ में खिंचाव है, जबकि फॉल्वस कूल्हे की चोट से परेशान हैं। इन दोनों का सीरीज से बाहर होना न्यूजीलैंड को मुश्किल में डाल सकता है। इसकी वजह दोनों खिलाड़ियों का इस फॉर्मेट में अनुभव और प्रदर्शन है। मार्क चैपमैन को पिछले महीने युरोपियन टी20 लीग खेलने के दौरान हैमरिट्रंग में चोट लगी थी। उनके भारत के खिलाफ वनडे सीरीज तक ठीक होने की उम्मीद है। वहीं, फॉल्वस को अभ्यास के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लग गई। फॉल्वस की वापसी कब तक होगी, इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। चैपमैन और फॉल्वस की जगह न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया है।

हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत वनडे विश्व कप 2025 का खिताब है: अंजुम चोपड़ा

‘मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा’

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि हाल ही में कप्तानी छोड़ने वाली हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप 2025 जीतना होगा। चोपड़ा ने कहा कि कौर टीम को जिस टीम से मिली थीं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत, अनुभवी और आत्मविश्वासी टीम के तौर पर छोड़कर गई हैं। अंजुम चोपड़ा ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, ‘एक लीडर के तौर पर हरमनप्रीत की सबसे बड़ी पहचान हमेशा 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतना रहेगी। उस टूर्नामेंट में उनकी बैटिंग, लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल में, और कैसे टीम सभी के योगदान से वहां तक पहुंची। यह सिर्फ हरमन की वजह से नहीं था। हर खिलाड़ी के योगदान से हरमन वह ताज उठा पाई और भारत जीत सका। हरमन का कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने वनडे की कप्तानी संभाली है। पहले, हम टी20 बहुत कम खेलते थे और शेड्यूल में ज्यादा वनडे गेम होते थे। हाल के वर्षों में यह बदल गया है। अब अधिकांश द्विपक्षीय दौरों में वनडे से ज्यादा टी20 होते हैं।’ उन्होंने कहा, ‘मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा है। उनकी विरासत हमेशा इस बात से

मापी जाएगी कि उन्होंने कहां से कप्तान संभाली और कहां छोड़ी। वनडे फॉर्मेट में इंडियन टीम वर्ल्ड चैंपियन है। जब उन्होंने कप्तान संभाली थी, तब की तुलना में यह टीम कहीं

उनके आस-पास की चीजें काफी बदल गई हैं। मैंने उनमें कभी भी जल्दबाजी वाला पहलू नहीं देखा। उन दिनों से लेकर अब तक मैंने हरमनप्रीत कौर में हमेशा एक शांत स्वभाव देखा है। एक कप्तान के तौर पर, अगर मैदान में कोई मामूली कोशिश करता है—जैसे गेंद को रोकने में नाकाम रहना, उसे जल्दी वापस न फेंकना या एक अतिरिक्त रन देना—तो वह उस व्यक्ति को मैदान पर ही मौका देती हैं, चाहे कैमरे उन्हें पकड़ें या नहीं। लेकिन जिस पल वही व्यक्ति अच्छा स्टॉप करता है, विकेट लेता है या कैच लेता है, वह सबसे पहले दौड़कर उसकी तारीफ करती हैं। मैंने इतने सालों में कप्तान हरमन के दोनों पहलू देखे हैं। एक व्यक्ति के तौर पर हरमनप्रीत नहीं बदली हैं और यही उनकी खूबसूरती है। ‘ग्लोबल इवेंट्स में टीम इंडिया के जीत की दावेदार बनने की प्रक्रिया के सवाल पर अंजुम ने कहा, ‘यह इसलिए बदला है क्योंकि हमने सकारात्मक तरीके से परिणाम देखना शुरू कर दिया है। मैं यह नहीं कह रही कि पहले के कप्तान परिणाम नहीं देते थे, लेकिन जब हरमन ने टीम संभाली, तो गुयाना में 2018 वर्ल्ड कप में भी, मुझे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच याद है, उन्होंने शतक लगाया था।

अंजुम ने कहा-

‘मैंने 2025 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भी लगातार कहा है कि इंडिया के पास बॉलिंग की कमी है। जीत पक्की करने के लिए उन्हें दो विकेट लेने के लिए शेफाली को लाना पड़ा। मैं बहुत खुश हूँ कि हमने वह वर्ल्ड कप जीता, लेकिन हमारे पास अभी भी बॉलिंग डेथ की कमी थी। आज भी, हम क्रांति गौड़ जैसे एक फास्ट बॉलर के साथ खेलते हैं, और नंदिनी शर्मा अभी-अभी आई हैं।’ हरमनप्रीत के इस्टीफे वाले पोस्ट में त्याग शब्द पर अंजुम ने कहा, ‘सबसे बड़ा त्याग जो आप करते हैं, वह है खेलने की अपनी शैली को किनारे रखना। कभी-कभी आप नंबर तीन पर बैटिंग करना चाहते हैं, लेकिन टीम को आपसे नंबर चार या ओपनिंग करने की जरूरत होती है, इसलिए आप वह मुश्किल रोल निभाते हैं। आपको टीम के फायदे को अपने फायदे से पहले रखना होगा। हो सकता है आप बॉलिंग करना चाहें या न करना चाहें, या टीम को आपकी जरूरत बाउंड्री लाइन पर हो सकती है – ये छोटी-छोटी बातें हैं।

शुभंकर ने कपिल देव इनविटेशनल टूर

चैंपियनशिप में चार-शॉट की बढ़त बनाई

ग्रेटर नोएडा। शुभंकर शर्मा ने गुरुवार को कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के दूसरे राउंड के बाद सात-अंडर 65 का स्कोर करके चार-शॉट की बढ़त हासिल कर ली। 12 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाली यह प्रतियोगिता ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट में जारी है। चंडीगढ़ के 30 वर्षीय गोल्फर (68-65) ने दिन की शुरुआत पिछले दिन के लीडर शौर्य भट्टाचार्य से दो स्ट्रोक पीछे रहकर की थी। उन्होंने एक इंगल, सात बडी और दो बोगी के

चैपियनशिप में चार-शॉट की बढ़त बनाई

ग्रेंडली मुकाबले में रूस के हाथों

0-4 से भारतीय महिला फुटबॉल टीम की हार

रणजी ट्रॉफी जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली

सौराष्ट्र टीम में जडेजा शामिल

राजकोट । अनुभवी जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भारत की 2-1 से वनडे सीरीज छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी जीत में खेलकर आ रहे हैं, हालांकि

रूस से हार के बाद बोले महिला फुटबॉल टीम के कोच क्रिस्पिन छेत्री

युवा टीम होने के बावजूद हमने कैरेक्टर दिखाया

कोलकाता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को फ्रेंडली मैच में रूस के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला गुरुवार को कोलकाता के किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेला गया। दुनिया में 69वें नंबर पर मौजूद भारत ने 27वें नंबर की रूसी टीम को मैच के पहले हाफ में काफी देर तक रोके रखा, लेकिन ब्रेक के बाद रूस के लगातार दबाव का असर दिखा।

आर्कटिक ओपन तन्वी कोमिली हार

सिंधु क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं

मरीना बे (सिंगापुर)। लैंडो नॉरिस को भरोसा है कि सिंगापुर की जीपी से पहले मैकलारेन ने अपनी तैयारियों में जरूरी सुधार किए हैं। उनका मानना है कि टीम ने परिस्थितियों का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और अब बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। समर ब्रेक से ठीक पहले और उसके तुरंत बाद नॉरिस ने शानदार फॉर्म दिखाई थी; उन्होंने ब्रेक के दौरान होरियन जोपी और डच जीपी जीती थी। वह इटली में चौथे और स्पेनिश जीपी में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अजरबैजान जीपी में संघर्ष करना पड़ा, जहां कई कारों की टक्कर के बाद उन्हें रेस छोड़नी पड़ी। इसके बाद बहरीन जीपी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और छठे स्थान पर रहे। नॉरिस के टाइटल जीतने की उम्मीदें बहुत कम हैं, क्योंकि उनके पास 188 प्वाइंट्स हैं और

## संक्षिप्त

## समाचार

## साकेत कोर्ट ने तीनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ाई, सीडीआर खंगाल रही पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आस्था कुंज पार्क सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस आरोपियों के



मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच कर रही है। जांच के लिए अतिरिक्त समय की मांग पर साकेत कोर्ट ने तीनों आरोपियों हेमंत, मुकेश और आसिफ की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ा दी है। विशेष पोक्सो न्यायाधीश स्वाति शर्मा ने पिछली हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किए गए आरोपियों की हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी ने अदालत में आवेदन देकर सीडीआर की आगे जांच के लिए हिरासत बढ़ाने की मांग की है। राज्य की ओर से पेश वरिष्ठ लोक अभियोजक वसी उर रहमान चौधरी ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है, इसलिए हिरासत बढ़ाना जरूरी है। इसके बाद अदालत ने तीनों आरोपितों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। दिल्ली पुलिस ने तीनों को पोक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार किया था। तीनों हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले हैं। इनमें से एक कानून की पढ़ाई कर रहा है। वहीं, आसिफ के खिलाफ पुलिस टीम के सदस्यों की हत्या के प्रयास का एक अन्य मामला भी दर्ज है। उसे दिल्ली पुलिस की टीम के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था।

## 63 मिनट की दूरी और धड़कता आया दिल... हरियाणा से दिल्ली तक बना 'ग्रीन कॉरिडोर'

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा से डोनेर हार्ट को महज 63 मिनट में दिल्ली लाकर फॉर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग में 47 वर्षीय मरीज



का सफल हृदय प्रत्यारोपण किया गया। मरीज एडवॉर्ड हार्ट फेल्योर से पीड़ित था और उसकी स्थिति गंभीर थी। समय पर डोनेर हार्ट अस्पताल पहुंचाने के लिए हरियाणा से दिल्ली तक 63 मिनट का ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया, जिससे प्रत्यारोपण की प्रक्रिया समय पर पूरी करने में मदद मिली। अस्पताल के अनुसार, यह उत्तर और पश्चिमी दिल्ली में किया गया पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण है। डोनेर हार्ट को निर्धारित समय में अस्पताल पहुंचाना प्रत्यारोपण की सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। ग्रीन कॉरिडोर के कारण अंग को तेजी से अस्पताल तक पहुंचाया जा सका। अस्पताल के कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के वरिष्ठ निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार मित्तल के नेतृत्व में वरिष्ठ का उपचार किया गया। अस्पताल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय निदेशक (ऑपरेशंस) महिपाल भनोत और उपाध्यक्ष एवं फैसिलिटी निदेशक नवीन शर्मा भी इस उपलब्धि से जुड़ी टीम का हिस्सा रहे।

## दिल्ली हाई कोर्ट ने 26 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की नाबालिग को दी अनुमति, माता-पिता ने छोड़ा बेटी का साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने यौन उत्पीड़न का शिकार हुई एक ऐसी नाबालिग को अपने 26 सप्ताह के भ्रूण को समाप्त करने की अनुमति दे दी, जिसके माता-पिता ने उसे छोड़ दिया था। 16 साल की नाबालिग के मामा द्वारा याचिका पर न्यायमूर्ति मनमोहन प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने मंजूरी देते हुए कहा कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है और इसमें सम्मान के साथ जीने, निर्णय लेने की आजादी और प्रजनन संबंधी चुनाव का अधिकार शामिल है।

लगभग 25 सप्ताह और एक दिन की गर्भवती: कोर्ट ने नोट किया कि 2022 में माता-पिता द्वारा छोड़े जाने के बाद से वह अपने मामा और नानी की देखरेख में रह रही थीं। अदालत ने लोक नायक अस्पताल को निर्देश दिया कि वह जरूरी सावधानियों, मेडिकल प्रोटोकाल और कानून द्वारा तय सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए जल्द से जल्द गर्भावस्था खत्म करने की प्रक्रिया पूरी करे। कोर्ट के आदेश पर गठित मेडिकल बोर्ड ने पीठ को सूचित किया कि , नाबालिग मानसिक रूप से अक्षम है और यौन उत्पीड़न या अपनी गर्भावस्था की बात को समझने में असमर्थ है।



दिन की गर्भवती पाई गई थी। फेफड़ों की जांच नहीं हो पा रही: इसके बाद अस्पताल में गठित मेडिकल बोर्ड ने राय दी कि गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दी जा सकती है। हालांकि, यह प्रक्रिया अधिक जोखिम वाली होगी।

बोर्ड ने बताया कि गर्भावस्था जारी रखने से नाबालिग के लिए अधिक जोखिम है क्योंकि

28 सितंबर को दोन दयाल उपाध्याय अस्पताल में जांच के दौरान लगभग 25 सप्ताह और एक

वह कम उम्र में गर्भवती हुई थी। उसे रीढ़ की हड्डी में लाइोटिक असामान्यता थी और फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच नहीं हो पा रही थी।

पिता की तलाश का इंतजार करना सही नहीं कोर्ट ने नोट किया कि भले ही ग भव था। मे डि क ल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत तय 24 सप्ताह के बाद

भ्रूण को समाप्त करने पर कानूनी रोक है, लेकिन नाबालिग के मामले में हाई कोर्ट को अपने संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। पीठ ने कहा कि मेडिकल बोर्ड की राय देखने से पता चलता है कि यह मामला जरूरी है और इसलिए इस पर फैसला करने के लिए नाबालिग पीठिका के पिता की तलाश का इंतजार करना सही नहीं लगता।

## आतंक पीड़ित होने का नाटक कब तक: यूएन में पाकिस्तान को भारत की दो टूक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर घेरा है। संयुक्त राष्ट्र की छठी समिति में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपायों पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान का जवाब देते हुए भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकवाद को सिर्फ बयान देकर खत्म नहीं किया जा सकता। इसके लिए आतंकियों, उनके संगठनों, उन्हें पैसा देने वालों और उनका साथ देने वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी होगी। भारत ने सवाल उठाया कि जब किसी देश की जमीन का इस्तेमाल आतंकियों को पैसा देने, प्रशिक्षण देने, शरण देने या उन्हें मदद पहुंचाने के लिए किया जाता है, तो उस स्थिति में क्या कसम उठाए जाते हैं भारत ने पाकिस्तान के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें वह

खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहने वाला देश और



आतंकवाद का शिकार बताया है। रघु पुरी ने कहा कि पाकिस्तान ने जिन आतंकी संगठनों को तैयार किया, वे बाद में उसके नियंत्रण से बाहर हो गए। अब ये संगठन पड़ोसी देशों के साथ-

साथ पाकिस्तान में भी तबाही मचा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के अपने नेताओं के बयान भी इस स्थिति को उजगर कर चुके हैं। भारत का संदेश साफ था कि एक तरफ आतंकियों का साथ देना और दूसरी तरफ उनके खिलाफ लड़ाई का दावा करना, दोनों बातें एक साथ नहीं चल सकतीं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर का मुद्दा भी उठाया। रघु पुरी ने कहा कि भारत के हमलों के पीछे अहम भूमिका निभाने वाले मसूद अजहर पर इनाम की राशि बढ़ाने की घोषणा महज दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकवाद को पाकिस्तान की ओर से मिलने वाली आर्थिक मदद किसी से छिपी नहीं है। भारत ने यह भी याद दिलाया कि कुछ महीने पहले ही पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने जैश-ए-मोहम्मद को निष्क्रिय

संगठन बताया था। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर मीडिया मसूद अजहर तक पहुंचकर उससे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पुष्टि हासिल कर सकता है, तो पाकिस्तानी सरकार को उसके ठिकाने की जानकारी क्यों नहीं होगी खिलाफ किए गए अंतरराष्ट्रीय वादे बेमानी हो जाते हैं। इससे आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को न्याय मिलने की उम्मीद भी कमजोर पड़ जाती है। रघु पुरी ने दुनिया को 9/11 हमले और औसामा बिन लादेन के पाकिस्तान में पाए जाने की घटना की याद दिलाई। उन्होंने 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों और पहलगाम हमले का भी जिक्र किया। भारत ने कहा कि इन हमलों में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार आज भी न्याय और जवाबदेही का इंतजार कर रहे हैं, जबकि हमलों के जिम्मेदार लोग अब तक खुले घूम रहे हैं।

## कैप्टन स्मित को इस्त्राइल में बड़ा सम्मान

## पलाईदुबई विमान में बहादुरी के लिए भारतीय पायलट को मिलेगा खास अवॉर्ड



यरुशलम, एजेंसी। इस्त्राइल ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को नागरिक वीरता के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। राष्ट्रपति आइज़ैक हर्ज़ोग ने गुरुवार को इस सम्मान की जानकारी दी। कैप्टन मच्छर ने तेल अवीव जा रही पलाईदुबई की उड़ान में एक बड़ी विमानन आपदा को टालने में अहम भूमिका निभाई थी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब कैप्टन मच्छर अबु धाबी के एक अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। उन्हें विमान के कॉकपिट के अंदर अपने सह-पायलट के कथित हमले के दौरान

## अफ्रीका में भारत का दांव: घाना-कोट डी आइवर के बाद इथियोपिया पहुंचे जयशंकर, रणनीतिक साझेदारी पर कितना जोर

इथियोपिया, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर तीन देशों के अफ्रीकी दौरे के आखिरी पड़ाव में गुरुवार को इथियोपिया पहुंचे। उनका मकसद दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना है।

इथियोपिया पहुंचने पर वहां



के राज्य मंत्री बेरहानु त्सेगाये ने उनका स्वागत किया। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस स्वागत के लिए आभार जताया और कहा कि वह दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए सार्थक बातचीत की उम्मीद कर रहे हैं। जयशंकर का यह तीन देशों का अफ्रीकी दौरा है। इथियोपिया पहुंचने से पहले वह घाना और कोट डी आइवर गए थे। कोट डी आइवर में उन्होंने अफ्रीकी देशों के साथ भारत के संबंधों और विकास साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की ओर से विकास के क्षेत्र में किए जाने वाले प्रयास अफ्रीकी साझेदार देशों की जरूरतों और उनकी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर तय किए जाते हैं। जयशंकर ने कोट डी आइवर में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम की अहमियत बताई। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए भारत अपने विकास, सुरक्षा और प्रशासन से जुड़े अनुभवों के साथ तकनीक, विशेषज्ञता और बेहतर कामकाजी तरीकों को साझेदार देशों के साथ साझा करता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम से भारत को दूसरे देशों के अनुभवों से सीखने का मौका मिलता है और जिन संस्थानों में विदेशी प्रतिभागी प्रशिक्षण लेते हैं, उन्हें भी इसका फायदा होता है। आईटीईसी कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1964 में हुई थी।

## ट्रंप लगातार बदल रहे जंग रुकवाने के आंकड़े

वाशिंगटन, एजेंसी। नॉर्वेजियन नोबेल समिति शांति के नोबेल पुरस्कार के विजेता का एलान करेगी। इससे पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपने लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग की है। ट्रंप ने एक दिन पहले ही व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, 'मैंने कई ऐसी चीजें की हैं, जो किसी और ने नहीं कीं। मैंने आठ युद्धों का अंत करवाया है।' हालांकि, इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि नोबेल शांति पुरस्कार देने वाली समिति 2026 के पुरस्कार के लिए उनका नाम चुनेगी या नहीं।

ट्रंप के इन बयानों के बाद एक बार फिर उनके दुनियाभर में 'जंग का अंत' करवाने वाले दावों पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ट्रंप जनवरी 2025 में अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद से ही लगातार एक के बाद एक युद्ध रुकवाने के दावे करते जा रहे हैं। एक समय तो उन्होंने 10 युद्ध का अंत कराने का दावा तक कर दिया था। हालांकि, अपने हालिया बयान में वे एक बार फिर दुनिया के आठ युद्ध रुकवाने के दावे पर लौट आए हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कब से की जा रही है वे अब तक कब और कितनी जगों को रुकवाने का दावा कर

चुके हैं उनके दावों में कौन-कौन से युद्धों का जिक्र लगातार रहा है कैसे उनके जंग रुकवाने का आंकड़ा आठ से 10 और फिर वापस आठ पर आ गया है नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उनकी दावेदारी कितनी मजबूत रही है यह



पुरस्कार मिलता कैसे है और ट्रंप के लिए संभावना क्या है आइये जानते हैं...

डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से अपने लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग पहली बार नहीं हुई है। वे अपने पहले कार्यकाल (2017-2021) से ही इस प्रतिष्ठित सम्मान की मांग करते आ रहे हैं।

ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहना शुरू किया था कि वे इस पुरस्कार के हकदार हैं। उन्होंने दावा किया था कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ हुई शिखर वार्ता के बाद जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने नोबेल

समिति को उनके नाम का पत्र भेजा था। इसी दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को 2009 में नोबेल पुरस्कार मिलने की आलोचना भी की थी।

जब इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद

## जंग में करोड़ों के उपकरण स्वाहा: ईरान से युद्ध में 81 अमेरिकी सैन्य विमान, ड्रोन नष्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ सात महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में अमेरिकी सेना को भारी क्षति पहुंच है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, इस युद्ध में अमेरिका के कम से कम 81 सैन्य विमान और ड्रोन क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं। यह जानकारी इस सप्ताह अपडेट की गई अमेरिकी कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने भी नुकसानों को स्वीकार किया है। नष्ट हुए विमानों में वे भी शामिल हैं जिन्हें सेना ने सार्वजनिक रूप से खोया हुआ स्वीकार किया है। इनमें ईरान में दो गिरे हुए विमान चालकों को बचाने के अभियान के दौरान नष्ट हुए विमान भी थे। इसके अलावा, दर्जनों ड्रोन ऐसे भी हैं जिन पर सेना ने चर्चा करने से इनकार किया है। रिपोर्ट बताती है कि क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए 81 विमानों में 45 एमव्यू-9 रीपर ड्रोन शामिल थे। इसमें 12 एफ-15ई स्ट्राइक इंगल जेट भी थे। साथ ही, सात केसी-135 स्ट्रेटोएटैकर हवाई ईंधन भरने वाले विमान भी नष्ट हुए। एक एफ-35ए लाइटनिंग ब्रूड लड़ाकू जेट भी इस सूची में है। यह रिपोर्ट युद्ध के नुकसान की जानकारी देती है। सेना ने उपकरणों और ठिकानों को हुए नुकसान की कोई निश्चित सूची या रिपोर्ट जारी नहीं की है। सीआरएस की इस रिपोर्ट में कुल 81 अमेरिकी सैन्य विमान और ड्रोन का उल्लेख है। इनमें 45 एमव्यू-9 रीपर ड्रोन प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 12 एफ-15ई स्ट्राइक इंगल जेट भी क्षतिग्रस्त हुए। सात केसी-135 स्ट्रेटोएटैकर और एक एफ-35ए लाइटनिंग लड़ाकू जेट भी इस सूची का हिस्सा हैं। यह रिपोर्ट युद्ध के नुकसान का आंकलन करने में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। हालांकि, इसकी कुछ जानकारी मीडिया रिपोर्टों से ली गई है, सरकारी स्रोतों से नहीं। फिर भी, इसकी पिछली रिपोर्टों को पेंटागन के महानिरीक्षक द्वारा उद्धृत किया गया है। यह इसकी विश्वसनीयता को दर्शाता है।

## किसी के 100 तो किसी के 14 बच्चे: अरबपतियों की अनोखी दुनिया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। क्या संतान का होना अब केवल परिवार बसाने की इच्छा नहीं, बल्कि

अत्यधिक संपत्ति और सामाजिक रुतबे का सबसे नया प्रदर्शन बन चुका है एक हालिया विश्लेषण ने अति-अमीरों की इस अनूठी दुनिया पर रोशनी डाली है, जहां एक तरफ आम आदमी के लिए एक बच्चे का खर्च उठाना भी चुनौती बनता जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया के शीर्ष अरबपति दर्जनों बच्चों के माता-पिता बनने की होड़ में लगे हैं।

अरबपति न सिर्फ बच्चे अधिक चाहते हैं बल्कि उनको पालने के लिए नैनी की भारी-भरकम फौज भी रहती है जो शिपटों में काम करती है। विश्लेषण में यह बात प्रमुखता से रेखांकित की गई है कि घरेलू कामों और बच्चों की परवरिश में मदद लेना गलत नहीं है, लेकिन जब बच्चों की संख्या इतनी बढ़ा ली जाए कि खुद समय देना असंभव हो जाए, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह केवल एक सामाजिक प्रदर्शन है जिसका असर आगे चलकर बच्चों के मानसिक विकास पर पड़ेगा। प्रसिद्ध कारोबारी किम कार्दशियन के अपने पूर्व पति से चार बच्चे हैं, जिनकी देखभाल के लिए उन्होंने पांच दाइयों (सहायकों) को रखा है। उनकी व्यवस्था के अनुसार एक समय में एक दाई इयूटी पर रहती है, जबकि चार दाइयां बारी-बारी से अपनी पाली बदलती हैं। यानी बच्चों की संख्या से भी अधिक उनके पास देखभाल करने वाला दल है। पावेल दुरुव : रूस में जन्मे तकनीक क्षेत्र के इस दिग्गज के शुक्राणु दान के जरिए दुनिया के 12 देशों में 100 से अधिक जैविक बच्चे हैं।



को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, तो ट्रंप ने चुनावी रैलियों में नाराजगी जताते हुए कहा था कि शांति समझौता उन्होंने करवाया था, लेकिन श्रेय किसी और को मिल गया।

व्हाइट हाउस में वापसी के बाद ट्रंप ने अलग-अलग मौकों पर दावा किया कि उनके प्रशासन ने दुनिया भर में कई युद्धों को खत्म किया है। इस्राइल, पाकिस्तान, कंबोडिया, आर्मेनिया, अजरबैजान और रवांडा जैसे देशों के नेताओं ने उनका नाम नोबेल पुरस्कार के लिए प्रस्तावित करने का दावा किया।



भी शामिल थे, जिन्हें गुरुवार को पुलिस हिरासत में लिया गया और उसी रात बाद में रिहा कर दिया गया।

दिल्ली पुलिस या किसी और सोर्स ने हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

एसआईआर को लेकर बवाल: दीपके ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं। वहीं उन्होंने राजनीतिक दलों, नागरिक समाज समूहों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से वोटिंग के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। दीपके ने कहा, (सिस्टमेटिक इलेक्टोरल रोल अपडेशन) सबसे बड़ा घोटाला है जिसे कई सरकार यानी सरकार भारत में लोकतंत्र को खत्म करने के लिए अंजाम दे रही है।' संस्थापक ने कहा, '10 अक्टूबर को होने वाले मार्च का मकसद वोट हटाने के मामले के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराना होगा।'

संक्षिप्त समाचार

**सत्येन्द्र नारायण सिंह को सौंपी झारखंड की कमान**  
**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** राष्ट्रीय मानव पार्टी ने संगठन को झारखंड में मजबूत बनाने के उद्देश्य से बोकारो स्टील सिटी निवासी सत्येन्द्र नारायण सिंह को प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. योगेश शेट्टी ने नियुक्ति पत्र जारी कर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पार्टी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, सत्येन्द्र नारायण सिंह के सामाजिक, राजनीतिक और जनसेवा के क्षेत्र में योगदान के साथ पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा एवं समर्पण को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्हें संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा प्रदेशभर में पार्टी की गतिविधियों के संचालन और विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय स्थापित करना भी उनकी जिम्मेदारी होगी। पार्टी नेतृत्व ने उम्मीद जताई कि सत्येन्द्र नारायण सिंह के नेतृत्व में झारखंड में संगठन का विस्तार होगा और पार्टी समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच मजबूत करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. योगेश शेट्टी ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

**जनता दरबार में सुनी गई आमजनों की समस्याएं**  
**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर शुक्रवार को समाहणालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित एवं नियमानुसार समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार में जमीन से जुड़े मामलों के अलावा पारिवारिक विवाद, आर्थिक सहायता और विस्थापित परिवारों के पुनर्वास से संबंधित शिकायतें सामने आईं। लोगों ने पंजी-2 में सुधार, आवासीय जमीन पर जबरन कब्जा, पुत्र द्वारा प्रताड़ित किए जाने और खतिनम में दर्ज गलतियों को सुधारने की मांग रखी। इसके अलावा गंभीर बीमारी योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा पंचेत जलाशय से प्रभावित विस्थापित मछुआरा परिवारों को पुनर्वास और रोजगार देने से संबंधित मामले भी उठाए गए। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों के पास जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए अग्रसारित किया। उन्होंने मामलों का नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सात दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** पांचवीं झारखंड बटालियन एनसीसी के सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के सफल समापन पर शुक्रवार को डीआईटी, धनबाद परिसर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एनसीसी कैडेटों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिविर का संचालन कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अनिमेष झा, मेजर सीमा जयाला और सुबेदार राजेंद्र प्रसाद सेने के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर के दौरान कैडेटों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, शारीरिक दक्षता, सामाजिक सेवा और राष्ट्रसेवा से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रेम प्रकाश उपरिस्थ रहें। विशिष्ट अतिथियों में डीआईटी के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र राय और स्माइल फाउंडेशन की अध्यक्ष रूबी संकृत्यायन शामिल हुईं। अतिथियों ने कैडेटों के अनुशासन, मेहनत और प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान कैडेटों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। पूरा परिसर उत्साह और देशभक्ति के माहौल से सराबोर रहा। अतिथियों ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कैडेटों के व्यक्तित्व विकास और उनमें जिम्मेदारी की भावना मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए जुटाया 19 यूनिट रक्त

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** ह्यूमैनिटी सेविंसस की ओर से शुक्रवार को रेडक्रॉस ब्लड बैंक, बोकारो में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था की दो रक्तवीरंगनाओं मीना कुमारी और माया राय के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित शिविर में कुल 19 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर का नेतृत्व संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एवं ब्लडमैन हरबंश सिंह सलूजा ने किया। उन्होंने कहा कि अपनी खुशियों में दूसरों को शामिल करना और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां बांटना ही जीवन जीने का बेहतर तरीका है। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना समाज के प्रति महत्वपूर्ण योगदान है। रक्तवीरंगना मीना कुमारी और माया राय ने कहा कि लोगों को जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ और अन्य खुशी के अवसरों पर रक्तदानमेंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। इससे खुशियां बांटने के साथ समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है। शिविर में माया राय, सौरव चौहान, अंजनी, चित्रजीत दास, गौरव रस्तोगी, विकास कुमार सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान के बाद दोनों रक्तवीरंगनाओं ने केक काटकर जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस ब्लड बैंक के राजकुमार और उनकी टीम का सराहनीय सहयोग रहा।

गोविंदपुर में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, जाम से राहत दिलाने सड़क पर उतरे डीसी-एसएसपी

**धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** गोविंदपुर में जाम को समस्या से राहत दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने मौके पर पहुंचकर अभियान की निगरानी की। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के किनारे अवैध रूप से बनाए गए चबूतरों, दुकानों और अन्य निमाणों को बुलडोजर से हटाया गया। उपायुक्त ने बताया कि दुर्गार्जुन और आगामी त्योहारों को देखते हुए अभियान चलाया गया है। एलिवेटेड फ्लाईओवर निर्माण और भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क पर लंबा जाम लग रहा था। एंबुलेंस के फंसने, मरीजों को परेशानी होने और लोगों की उड़ान तथा छात्रों की परीक्षाएं छूटने जैसी शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों से नेटिंस और मुनादी के माध्यम से लोगों को अतिक्रमण हटाने की सूचना दी जा रही थी। करीब 80 प्रतिशत लोगों ने स्वयं अतिक्रमण हटा लिया, जबकि शेष अवैध कब्जों को प्रशासन ने हटवाया। सड़क से ऊंची नालियों के स्लैब को काटकर समतल किया जा रहा है। बिजली के खंभों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने, सर्विस लेन के गड्डे भरने और सड़क को समतल बनाने का काम भी चल रहा है। फ्लाईओवर का निर्माण अगले वर्ष नवंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, एसएसपी प्रभात कुमार ने यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए ट्रैफिक डीएसपी को ठोस कार्ययोजना लागू करने का निर्देश दिया। निर्माण एजेंसी को दोनों और प्रशिक्षित स्वयंसेवक तैनात करने को कहा गया है, ताकि वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने में पुलिस को सहयोग मिल सके।

# शिक्षा में बदलाव, नवाचार और कौशल विकास पर मंथन, 150 से अधिक प्राचार्य जुटे

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** शिक्षा को आधुनिक, कौशल आधारित और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को बोकारो में विद्यालयों के प्राचार्यों का 38वां क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। नगर भवन स्थित शिबू सोरेन स्मृति सभागार में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में 150 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने हिस्सा लिया। सेंट जेवियर्स स्कूल, बोकारो की मेजबानी में आयोजित सम्मेलन का मुख्य विषय ‘परिवर्तन के लिए शिक्षा’ रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी प्रिया रंजन ने किया। सम्मेलन में शिक्षा के बदलते स्वरूप, नई शिक्षण पद्धतियों, तकनीकी ज्ञान, विद्यार्थियों के कौशल विकास और सर्वांगण व्यक्तित्व निर्माण पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, रचनात्मक और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। सम्मेलन में शिक्षाविद् डेव. फादर डॉ. एस.एम. जॉन केनेडी ने शिक्षा में नवाचार और



भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करने पर अपने विचार रखे। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में प्रभावी बदलाव के लिए एप दृष्टिकोण और व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष चर्चा हुई। प्राचार्यों ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, मूल्यांकन पद्धति, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और समावेशी शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के उपाय साझा किए। मुख्य अतिथि प्रिया रंजन ने कहा कि विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता,

# लोक संवाद में उपायुक्त ने सुनीं 33 शिकायतें, अधिकारियों को त्वरित निष्पादन के निर्देश

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को आयोजित ‘हम आपको सुनते हैं... लोक संवाद’ कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने आमजनों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 33 मामलों पर सुनवाई हुई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को शिकायतों के निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। लोक संवाद में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं से उपायुक्त को अवगत करवाया। उन्होंने शिकायतकर्ताओं की बातें सुनते हुए अधिकारियों को मामलों की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव है, उनका शीघ्र निष्पादन किया जाए। वहीं, जांच या विभागीय प्रक्रिया से जुड़े मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि आमजनों की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान जिला प्रशासन की



## लोक संवाद का असर: दो घंटे में कटी जमीन की ऑनलाइन लगान रसीद

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** उपायुक्त अजय नाथ झा की पहल पर ‘हम आपको सुनते हैं’ लोक संवाद में चास निवासी दुलाल हलदार की जमीन की ऑनलाइन लगान रसीद महज दो घंटे में काट दी गई। लंबे समय से रसीद निर्गत कराने के लिए परेशान आवेदक को इससे राहत मिली। शुक्रवार को आयोजित लोक संवाद में दुलाल हलदार ने उपायुक्त के समक्ष अपनी शिकायत रखी। उन्होंने बताया कि जमीन की ऑनलाइन लगान रसीद कटवाने के लिए वे कई बार अंचल कार्यालय का चक्कर लगा चुके हैं। पूर्व में

प्राथमिकता है। शिकायतों के निष्पादन में संवेदनशीलता और जवाबदेही का ध्यान रखा जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजुमदार, प्रशिक्षु आईएसएस अरविंद राधाकृष्णन, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

# एसआईआर मेगा कैंप आज, सभी मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगे बीएलओ

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची से संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन, सुनवाई और लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर 10 अक्टूबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर मेगा कैंप आयोजित किया जाएगा। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलने वाले इस कैंप में बृथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की उपस्थिति अनिवार्य होगी। कैंप के बाद प्राप्त प्रपत्रों और दस्तावेजों के डिजिटाइजेशन का कार्य किया जाएगा। शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने समीक्षा बैठक कर मेगा कैंप की तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को



आवश्यक निर्देश दिए। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार को वरीय पदाधिकारी बनाया गया है। बीएलओ को सहयोग देने के लिए जेएसएलपीएस की दीर्घायां भी सक्रिय रहेंगी। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मेगा कैंप में सर्वाधिक प्रपत्र प्राप्त और संग्रह

करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा। वहीं, ड्यूटी से अनुपस्थित पाए जाने वाले बीएलओ और अन्य प्रतिनियुक्त कर्मियों का एक दिन का वेतन एवं मानदेय स्थगित रखा जाएगा। बीएस सिटी और चास शहरी क्षेत्र में कर्मियों की उपस्थिति की जांच के लिए धावा दल गठित किया गया है। इसके अलावा, 12 से 16 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विशेष शिविरों के लिए गांव, टोलों और बसावटों की सूची तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश ईआरओ और एईआरओ को दिया गया है, ताकि जरूरत के अनुसार शिविर आयोजित कर पात्र मतदाताओं को सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

## सत्यनिष्ठा के आधार पर छात्रों को ग्रेड देने पर बहस, हिंदी में आदित्य और अंग्रेजी में आदित्य भास्कर प्रथम

**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** बोकारो स्टील प्लांट में सतर्कता जागरूकता साताह-2026 के तहत शुक्रवार को अंतर-विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता



आयोजित की गई। लॉरेन एंड डेवलपमेंट विभाग के मुख्य सभागार में आयोजित प्रतियोगिता में बोकारो के 14 विद्यालयों के 56 विद्यार्थियों ने हिंदी और अंग्रेजी में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का विषय था कि क्या भविष्य को समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों को विद्यार्थियों की ईमानदारी और नैतिकता के आधार पर ग्रेड देना चाहिए। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में तर्कपूर्ण विचार रखे। उद्घाटन सत्र में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीओ ने प्रतिभागियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने ईमानदारी, नैतिक आवरण और जीवन में नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इन्हें अपने व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित किया। अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में चिन्मय विद्यालय के आदित्य भास्कर ने प्रथम, सेंट जेवियर्स स्कूल के मुकुंद कुमार ने द्वितीय और एमजीएम हायर सेकेंडरी

स्कूल की त्रिशा सिन्हा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्री अयया पब्लिक स्कूल की निर्यति मिश्रा को सात्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। वहीं, हिंदी प्रतियोगिता में द पेंटेकोस्टल असंबली स्कूल के आदित्य पांडेय प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 की सुधानी प्रिया द्वितीय और द पेंटेकोस्टल असंबली स्कूल के अर्णव कुमार तृतीय स्थान पर रहे। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल की प्रियांशी चंद्रा को सात्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। कार्यक्रम में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएडडी) सहित निर्णायक मंडल के सदस्य, सतर्कता विभाग के अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे। सभी विजेताओं को सतर्कता जागरूकता साताह के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में ईमानदारी, नैतिकता और पारदर्शिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

## आमजनों की शिकायतों को गंभीरता से लेें, व्यवहार में शालीनता रखें : डीसी



**बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।** उपायुक्त अजय नाथ झा ने शुक्रवार को चास प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय के सभागार में पदाधिकारियों और कर्मियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने आमजनों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने, शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहने और सरकारी कार्यों का निष्पादन पारदर्शी तरीके से करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि आमजनों से मिलने और उनकी समस्याएं सुनने के लिए समय निर्धारित किया जाए। शेष समय में कार्यालय के कार्यों का निष्पादन तत्परता और जवाबदेही के साथ सुनिश्चित किया

जाए। सरकारी कार्यालय पहुंचने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ सम्मानजनक और शालीन व्यवहार किया जाए, ताकि किसी को अपने काम के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। उन्होंने कहा कि आम नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर सरकारी कार्यालय पहुंचते हैं। ऐसे में उनकी शिकायतों को समझना, नियमानुसार कार्रवाई करना और उन्हें उचित जानकारी देना पदाधिकारियों एवं कर्मियों की जिम्मेदारी है। शिकायतों को केवल औपचारिकता नहीं समझें, बल्कि उनके समाधान के लिए गंभीरता से पहल करें। उपायुक्त ने सभी कर्मियों

को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने, कार्यों में अनावश्यक विलंब से बचने और आमजनों के साथ बेहतर संवाद बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की कार्यशैली ऐसी होनी चाहिए, जिससे लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ आसानी से मिले और प्रशासन के प्रति उनका विश्वास मजबूत हो। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएसएस अरविंद राधाकृष्णन, प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार, अंचल अधिकारी राम सेवा राम सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

|                                                                                                                                                                                                             |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| स्वत्वाधिकारी,<br>प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक<br>कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉर्पोरेट कॉलोनी, बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। |
| संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल                                                                                                     |
| फोन नंबर- 9431145865 7295863300                                                                                                                                                                             |
| आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655                                                                                                                                                                |
| E-mail- nbtimesbihar@gmail.com                                                                                                                                                                              |